RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 162 ● भिलाई, गुरुवार 01 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

गेस्ट हाउस में घुसकर महिला को चाकू मारने वाला प्रेमी गिरफ्तार

कोलकाता। उत्तर 24 परगना जिले की एक महिला को कोलकाता के एक गेस्ट हाउस में उसके कथित प्रेमी ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि चेन्नई निवासी प्रदीप कुमार सेल्वराज (40) नामक व्यक्ति को 38 वर्षीय महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि महिला ने प्रदीप पर उसकी हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया है। उन्होंने दर्ज शिकायत के हवाले से बताया कि यह घटना रविवार को मध्य कोलकाता में बीबी गांगुली स्ट्रीट स्थित एक अतिथि गृह में उस समय हुई, जब वहां जाते ही महिला एवं प्रदीप के बीच कहासुनी हो गई। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'प्रदीप ने महिला पर कथित तौर पर धारदार हथियार से कई बार हमला किया, जिससे उसके कंधे, बांहों और शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटें आईं। इसके बाद आरोपी अतिथि गृह से भाग गया।' अतिथि गृह के कर्मचारियों ने मुचीपाड़ा पुलिस थाने को घटना की सूचना दी। अधिकारी ने बताया कि महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।उन्होंने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर बाद में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया।

महज सौ मीटर में दो लाशें, दो थानों की सीमा पर पसरा मातम

मड़िहान। चुनार तथा मड़िहान थाना क्षेत्र के राजापुर गांव स्थित झरीनगरी जंगल में मंगलवार को उस वक्त खून से सनी महज सौ मीटर की दूरी पर दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दो किसानों के शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि डबल मर्डर की आशंका के साथ ग्रामीण अंचल को झकझोर देने वाला सोची समझी दर्दनाक केस है। घटना की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मौके पर तीन थाना राजगढ़, चुनार और मड़िहान की पुलिस, सीओ चुनार और सीओ मड़िहान की मौजूदगी में जर जोरू जमीन से संबंधित जांच शुरू कर दी। पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक संपन्न

रायपुर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली 23 जनवरी से लागू होगी

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद की बैठक में तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों से 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीदने के लिए वर्ष 2026 हेतु ऋण लेने के लिए राज्य शासन की गारंटी देने की अनुमति दी गई। मंत्रिपरिषद ने कोदो, कुटकी और रागी की खरीद, प्रसंस्करण और बिक्री के लिए छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को कार्यशील पूंजी प्रदाय किये जाने की अनुमति दी गई। मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को अराष्ट्रीयकृत लघु वनोपज के क्रय, भंडारण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए एक बार के लिए 30 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने का निर्णय लिया है। मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा राज्य शासन की प्रत्याभूति (गारंटी) पर लिए गए ऋणों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इसके अंतर्गत राज्य शासन द्वारा 55.69 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान कर पांच राष्ट्रीय निगमों से लिए गए ऋणों की पूर्ण राशि वापस करने का अनुमोदन किया गया। ये राष्ट्रीय निगम हैं- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम, पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम, अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम और दिव्यांग वित्त एवं विकास निगम।

वर्तमान में इन ऋणों पर राज्य शासन द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 2.40 करोड़ रुपये ब्याज का भुगतान किया जा रहा है। ऋण की पूरी अदायगी होने पर यह ब्याज व्यय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय निगमों से एनओसी (अदेय प्रमाण पत्र) प्राप्त होने पर शासन की ओर से दी गई 229.91 करोड़ रुपये की लंबित गारंटी देनदारी भी समाप्त हो जाएगी। इस निर्णय से राज्य शासन पर वित्तीय बोझ कम होगा और भविष्य में होने वाले अनावश्यक व्यय से बचत सुनिश्चित होगी। मंत्रिपरिषद ने निर्णय लिया है कि उसना मिलिंग पर प्रोत्साहन राशि 20 रू. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर की गई 40 रू. प्रति क्विंटल, सभी मिलरों के लिए प्रोत्साहन राशि की पात्रता हेतु अब न्यूनतम 03 माह की जगह न्यूनतम 02 माह की मिलिंग करनी होगी मंत्रिपरिषद ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में संशोधन का निर्णय लिया। इससे नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रचार-प्रसार, विशेषज्ञों की नियुक्ति और सेवा गतिविधि प्रमाणपत्र जारी करने के संबंध में विसंगतियां दूर होंगी। इन संशोधनों से राज्य में निवेश की गुणवत्ता बढ़ेगी, स्थायी रोजगार सृजन होगा और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। मंत्रिपरिषद ने राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में 20 जनवरी से 5 फरवरी तक आयोजित 9वें ऑटो एक्सपो के दौरान बिकने वाले वाहनों पर लाइफटाइम रोड टैक्स में 50 प्रतिशत छूट प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यह छूट एक्सपो में वाहन बिक्री के बाद पंजीकरण के समय लागू होगी, जिससे मोटरयान कर में एकमुश्त 50 प्रतिशत की राहत मिलेगी। पूरे प्रदेश के वाहन विक्रेताओं को इसका लाभ मिलेगा, इस संबंध में निर्देशित किया गया है। मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में कस्टम मिलिंग के लिए धान उपार्जन एवं परिवहन से संबंधित गतिविधियों के लिए राइस मिलर्स द्वारा दी जाने वाली बैंक गारंटी पर देय स्टाम्प शुल्क को 0.25 से घटाकर 0.05 प्रतिशत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मंत्रिपरिषद द्वारा पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ नवा रायपुर अटल नगर में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का एक नवीन पद वेतन मेट्रिक्स लेवल-14 एक वर्ष की अवधि के लिए स्थायी रूप से निर्मित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ

पीएम मोदी बोले-यह हमारी आस्था का दिव्य उत्सव है...

लखनऊ/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह वर्षगांठ हमारी आस्था और परंपराओं का एक दिव्य उत्सव है। पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि पिछले महीने फहराया गया धर्म ध्वज पहली बार राम लल्ला की प्रतिमा की स्थापना का साक्षी बन रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि आज अयोध्या जी की पवित्र भूमि पर राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ

मनाई जा रही है। यह वर्षगांठ हमारी आस्था और परंपराओं का एक दिव्य उत्सव है। इस पवित्र और पावन अवसर पर, देश और विदेश के सभी राम भक्तों की ओर से, भगवान श्री राम के चरणों में करोड़ों प्रणाम और नमन! सभी देशवासियों को मेरी असीम शुभकामनाएं। मोदी ने आगे कहा कि भगवान श्री राम की असीम कृपा और आशीर्वाद से अनगिनत राम भक्तों का पांच शताब्दी पुराना संकल्प पूर्ण हुआ है। आज राम लल्ला एक बार फिर अपने भव्य निवास में विराजमान हैं, और इस वर्ष अयोध्या का धर्म ध्वज बारहवें दिन राम लल्ला की प्रतिष्ठा का साक्षी है। यह मेरा सौभाग्य है कि पिछले महीने मुझे इस ध्वज की पवित्र स्थापना में भाग लेने का शुभ अवसर मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कामना की कि सदाचार के प्रतीक राम लल्ला की प्रेरणा प्रत्येक नागरिक के हृदय में सेवा, समर्पण और करुणा की भावना को गहरा करे।

मथुरा में मुठभेड़ के बाद 25 हजार का इनामी गो-तस्कर गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा के थाना जैत पुलिस और गो-तस्करों के बीच सोमवार देर रात मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में 25 हजार रुपए का इनामी बदमाश घायल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। थाना जैत पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक शातिर अपराधी धौरेरा के जंगलों के पास देखा गया है, जो गोवध अधिनियम के तहत वांछित चल रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घेराबंदी की और अभियुक्त को पकड़ने के लिए दबिश दी। अभियुक्त ने खुद को पुलिस से घिरा हुआ देख पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें अभियुक्त के पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया।

आतंकी कसाब से लिया था लोहा

सदानंद दाते को महाराष्ट्र का डीजीपी नियुक्त किया गया...

मुंबई/ एजेंसी

महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के पूर्व महानिदेशक सदानंद दाते को दो साल के कार्यकाल के लिए महाराष्ट्र का पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है। 1990 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी डेट, 3 जनवरी को पद छोड़ने वाली वर्तमान अधिकारी रश्मी शुक्ला का स्थान लेंगे। गृह विभाग द्वारा बुधवार को जारी उनके नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि दाते को

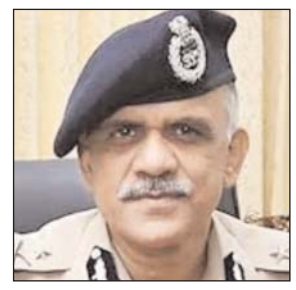

उनकी सेवानिवृत्ति तिथि से परे दो साल के लिए इस पद पर नियुक्त किया गया है। वे अगले साल दिसंबर में 60 वर्ष के हो जाएंगे। दाते मार्च 2024 तक महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) के प्रमुख थे, जिसके बाद वे भारत की आतंकवाद विरोधी एजेंसी एनआईए का नेतृत्व करने के लिए नई दिल्ली चले गए। राज्य सरकार के अनुरोध पर उन्हें दो सप्ताह पहले महाराष्ट्र वापस बुलाया गया था, क्योंकि सरकार उन्हें राज्य का डीजीपी नियुक्त करना चाहती थी। पिछले सप्ताह, दाते उन तीन आईपीएस अधिकारियों में शामिल थे जिनकी सिफारिश संघ लोक सेवा आयोग ने की थी। अन्य दो अधिकारी संजय वर्मा, डीजी (कानूनी और तकनीकी) और रितेश कुमार, होम गार्ड के कमांडेंट जनरल थे।

बिना नाम लिए शाहरुख पर निशाना

उसका प्रेम पाकिस्तान से बहुत है-देवकीनंदन

नई दिल्ली। आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स और मालिक शाहरुख खान एक गंभीर मुद्दे को लेकर चर्चाओं में आ गए हैं। इस बार वजह क्रिकेट नहीं, बल्कि टीम में शामिल किए गए बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को लेकर उठा विवाद है। खिलाड़ी की मोटी रकम में खरीद के बाद कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने सार्वजनिक मंच से आपत्ति जताई, जिसके बाद मामला सोशल मीडिया और राजनीतिक-सामाजिक बहसों के केंद्र में आ गया। मुंबई में अपने अनुयायियों को संबोधित करते हुए देवकीनंदन ठाकुर ने टीम प्रबंधन

और फ्रेंचाइजी मालिक पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मौजूदा क्षेत्रीय हालात का हवाला देते हुए कहा कि पड़ोसी देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर चिंताएं हैं और ऐसे समय में बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम में शामिल करना गलत संदेश देता है।

भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग हुए और मजबूत, नौसेना के लिए दो अतिरिक्त एमक्यू-9 ड्रोन लेने को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। भारत ने भारतीय नौसेना के लिए दो अतिरिक्त एमक्यू-9 मानवरहित ड्रोन लीज पर लेने की मंजूरी दे दी है। यह फैसला रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद ने किया। इसे भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग की वजह से अहम कदम माना जा रहा है। एमक्यू-9 ड्रोन अमेरिका की जनरल एटॉमिक्स कंपनी द्वारा बनाए जाते हैं और इन्हें दुनिया के सबसे सक्षम हाई-एल्टीट्यूड, लॉन्ग-एंड्योरेंस ड्रोन सिस्टम्स में गिना जाता है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ये ड्रोन लंबे समय तक उड़ान भरने, दूर तक निगरानी करने और रियल टाइम खुफिया जानकारी देने में बेहद कारगर हैं।

डीआरडीओ ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

प्रलय मिसाइल का सफल लॉन्च,एक ही लॉन्चर से दागीं दो-दो मिसाइलें....

नई दिल्ली। भारत की रक्षा क्षमता को नई मजबूती देते हुए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ ने प्रलय मिसाइल का सफल सैल्वो लॉन्च किया है। यह परीक्षण देश की स्वदेशी मिसाइल तकनीक और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का बड़ा प्रदर्शन माना जा रहा है। एक ही लॉन्चर से कम समय के अंतराल में दो मिसाइलों का सफल प्रक्षेपण अपने आप में अहम उपलब्धि है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बुधवार की सुबह करीब 10:30 बजे ओडिशा तट के पास एक ही लॉन्चर से दो प्रलय मिसाइल दागी गईं। यह उड़ान परीक्षण यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल्स के तहत किया गया। दोनों मिसाइलों ने तय की गई दिशा का पूरी तरह पालन किया और सभी उड़ान उद्देश्यों को

सफलतापूर्वक हासिल किया। इस परीक्षण के दौरान मिसाइलों की उड़ान पर कड़ी नजर रखी गई। चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज द्वारा तैनात ट्रैकिंग सेंसरों ने पूरे ट्रैजेक्टरी की पुष्टि की। वहीं, लक्ष्य क्षेत्र के पास तैनात जहाजों पर लगे टेलीमेट्री सिस्टम के जरिए अंतिम चरण की घटनाओं को भी सफलतापूर्वक रिकॉर्ड किया गया। प्रलय एक स्वदेशी ठोस ईंधन से चलने वाली क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल है। इसमें अत्याधुनिक गाइडेंस और नेविगेशन सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे यह बेहद सटीक निशाना लगाने में सक्षम है। यह मिसाइल अलग-अलग तरह के वारहेड ले जाने में सक्षम है और विभिन्न लक्ष्यों को भेद सकती है, जिससे इसकी उपयोगिता और प्रभावशीलता बढ़ जाती है। प्रलय मिसाइल का विकास हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत के नेतृत्व में किया गया है। इसमें डीआरडीओ की कई प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों का सहयोग रहा है। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने विकास-सह-उत्पादन भागीदार के रूप में सिस्टम इंटीग्रेशन का काम किया।

शराब घोटाला मामले में

ईडी की कार्रवाई-31 आबकारी अधिकारियों की 38 करोड़ की चल-अचल संपत्ति जब्त...

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। कुल 31 आबकारी अधिकारियों की लगभग 38.21 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति को कुर्क किया गया है। ये संपत्तियां स्थाई रूप से कर्क की गई है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत की गई है। इन संपत्तियों की बात करें तो, इनमें तत्कालीन आबकारी आयुक्त आईएएस निरंजन दास भी शामिल हैं। कुल 78 संपत्तियां जब्त की गई हैं। इनमें 21.64 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल हैं। इनमें कमर्शियल शॉप, लग्जरी बंगले, महंगे फ्लैट और कृषि भूमि शामिल हैं। वहीं 16.56 करोड़ रुपये कीचल संपत्ति भी शामिल हैं। इनमें 197 मदों में फिक्स्ड डिपॉजिट, कई बैंक एकाउंट के रुपये, शेयर, म्यूचुअल फंड और बीमा पॉलिसियां शामिल हैं। ईडी की जांच में पता चला है कि इस घोटाले से राज्य सरकार को करीब 2,800 करोड़ रुपये से ज्यादा की राजस्व की क्षति हुई है। जांच

एजेंसी के अनुसार, आबकारी विभाग के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोगों ने पूरे सिस्टम को अपने कब्जे में लेकर उगाही को अंजाम दिया। जांच में मालूम चला है कि आबकारी अधिकारियों को अपने-अपने इलाकों में पार्ट-बी शराब बिकवाने के बदले में प्रति मामले में 140 रुपये का कमीशन दिया जाता था। ऐसे में आईएएस ऑफिसर निरंजन दास ने अकेले 18 करोड़ रुपये से ज्यादा की अवैध कमाई की। उन्हें हर महीने लगभग 50 लाख रुपये की रिश्वत मिलती थी। कुल मिलाकर 31 आबकारी अधिकारियों ने 89.56 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की है। ईडी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2019-2022 तक लाइसेंसी शराब दुकानों में डुप्लिकेट होलोग्राम लगाकर बड़ी मात्रा में अवैध शराब बेची गई थी। इस वजह से छत्तीसगढ़ के राजस्व विभाग को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ था। शराब को स्कैनिंग से बचाने के लिए नकली होलोग्राम भी लगाया जाता था, जिससे वह किसी की पकड़ में न आ सके। घोटाले में संलिप्त लोगों ने इस होलोग्राम को बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के नोएडा में होलोग्राफी का काम करने वाली प्रिज्म होलोग्राफी सिक्योरिटी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को टेंडर दिया था।

रक्षा मंत्री बोले

भगवान राम के बाद माता जानकी का बनेगा मंदिर..

अयोध्या। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सियावर रामचंद्र की जयघोष के साथ अपना संबोधन शुरू किया। इस मौके पर रक्षा मंत्री ने कहा कि आज इस पावन भूमि पर आकर मैं बहुत अभिभूत हूं। आज मुझे सब कुछ मिल गया। आज से दो वर्ष पूर्व प्रभु श्रीराम 500 वर्षों के इंतजार के बाद भव्य मंदिर में विराजमान हुए थे। रामलला का यह मंदिर हजारों वर्षों तक भगवान श्रीराम के जीवन का गुणगान करता रहेगा। राम मंदिर बनना दुनिया के ग्रैंड नैरेटिव में से एक है। राम मंदिर से बड़ा आंदोलन, दुनिया में दूसरा आंदोलन नहीं हुआ। आज हमारे

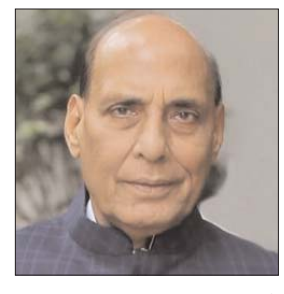

ध्वज समंदर पार भी गगन से बातें कर रहे हैं। अयोध्या में धर्म की ध्वजा लहरा रही है। आज डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में अयोध्या आगे बढ़ रही है। सोलर सिटी, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं के साथ अयोध्या विकास की अग्रिम पंक्ति में खड़ा है।

जिस मोबाइल से मास्टमाइंड अश्विनी ने आरोपी फैजान को हमर राज पार्टी के जिलाध्यक्ष को मारने का दिया था इंस्ट्रक्शन, उस मोबाइल को पुलिस ने किया जब्त, मचा हड़कंप

आरोपी ने जेल के अंदर बने बैरक के बाहर मिट्टी के ढेर में रखा था छिपा के मोबाइल

बालोद। जिला जेल से साइबर सेल और बालोद पुलिस की टीम के द्वारा मोबाइल जब्त किया गया हैं। जांच के दौरान एक छोटे साइज का मोबाइल मिला है, जिससे हड़कम्प मच गया हैं। साइबर सेल और बालोद पुलिस की टीम ने जेल में जांच कर मोबाइल को मिट्टी के ढेर से जब्त किया हैं। मोबाइल को जब्त कर पुलिस आगे की कार्यवाही में जुट गई हैं। दरअसल सुपारी लेकर हमर राज पार्टी के जिलाध्यक्ष के कार को आग के हवाले करने के मामले में बालोद पुलिस ने मास्टमाइंड अश्विनी डड़सेना के सहयोगी आरोपी मुकेश निर्मलकर को पूछताछ के लिए रिमांड में लिया था। पूछताछ के दौरान मुकेश ने जेल के अंदर मोबाइल होना बताया। सोमवार को बालोद थाना प्रभारी शिशुपाल सिन्हा, साइबर सेल प्रभारी धरम भुआर्य, एएसआई सूरज साहू सहित टीम मुकेश निर्मलकर के बताए अनुसार जेल के अंदर बने बैरक नम्बर 6 जिसमें आरोपी अश्विनी डड़सेना को रखा गया था, उसके सामने ही मिट्टी के ढ़ेर में मोबाइल को छिपा के रखा गया था। जिसे टीम ने बतौर साक्ष्य जब्त किया है। जब्त मोबाइल को न्यायालय में पेश किया जाएगा। जेल के अंदर मोबाइल मिलने और उसे जब्त करने की खबर से जेल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा हो गया हैं। और यह बड़ा उल्लेखनीय है कि जिला जेल में धोखाधड़ी के मामले में बंद अश्विनी डड़सेना द्वारा जेल के अंदर से ही हमर राज पार्टी के जिलाध्यक्ष देवेंद्र साहू को सुपारी देकर मारने की साजिश रची गई थी। बीते एक दिसंबर को सुपारी लेकर हत्या करने गए आरोपियो ने जिलाध्यक्ष को मार न पाने के चलते उसकी कार को आग के हवाले कर दिया था। मामले मे पुलिस ने मास्टरमाइंड अश्विनी डड़सेना सहित अनिकेत मेश्राम, सूरज रंगारी, दानेश्वर साहू, अभिषेक चौरे, मोहम्मद फैजान, ममता डड़सेना, श्यामू यादव उर्फ रिंकू यादव, मुकेश निर्मलकर को गिरफ्तार किया हैं। बता दे कि अश्विनी डड़सेना धोखाधड़ी के आरोप में और मोहम्मद फैजान मारपीट के जांच का विषय है कि आखिर जेल के अंदर बंदियों के पास मोबाइल कैसे पहुचा, और किसने पहुचाया। इस पूरे मामले में जेल प्रहरीयों की संलिप्ता से इंकार नही किया जा सकता। बताया जा रहा है कि जिला जेल में पदस्थ हेड साहब जगमोहन साहू और प्रहरी अमित इक्का व हेमंत साहू संदेह के घेरे नज़र आ रहे हैं।

ये है पूरा मामला

प्रकरण में बालोद जेल में निरूध्द था। इस बीच अश्वनी डडसेना से फैजान की मुलाकात हुई,। अश्वनी डडसेना ने फैजान को पाररास निवासी देवेन्द्र साहू से जमीन सम्बंधी विवाद होने की बात बता जान से मारने की बात बोल इस काम काम का पैसा देने की बात कही।तब फैजान 4 नवंबर 2025 को जेल से रिहा हुआ और करीबन 4 दिन बाद अश्वनी डडसेना ने जेल के अंदर से फोन कर फैजान को बोला कि देवेन्द्र साहू के हड्डी टुटते तक मारना है और उसका विडियों मुझे दिखाना, तब मेरा आदमी रिंकू उर्फ श्यामु यादव मेरे पत्नी ममता डडसेना से पैसा लेकर देगा साथ-साथ जमीन भी खरीद कर दूंगा बोला। तब फैजान में अपने दल्लीराजहरा के दोस्त अनिकेत मेश्राम, सूरज रंगारी, दानेश्वर साहू, को देवेन्द्र साहू को मारने के लिए तैयार किया। रिंकू यादव ने फैजान को 7 हजार रूपये एडवांस देकर तरौद निवासी अभिषेक चौरे जो अश्वनी डडसेना के लिये खाने पीने के समान लाता था, उस अभिषेक चौरे ने आरोपियों को देवेन्द्र साहू का घर व ऑफिस दिखाया। आरोपियों द्वारा एक दिसंबर को देवेन्द्र साहू के घर जाकर आवाज देकर उन्हे घर से बाहर गेट पर बुलाया जो गेट के पास आकर बात किया, आरोपियों द्वारा देवेन्द्र साहू के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को देखकर मारने की हिम्मत नही किये व वापस चले गये। आरोपियो ने इसकी जानकारी फैजान को दी, फैजान ने नही मार पाने पर देवेंद्र की गाड़ी में आग लगा दो कहने पर उन्होंने गाड़ी में पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग लगाने के बाद घटना की जानकारी फैजान के द्वारा मोबाइल के माध्यम से अश्वनी डडसेना को उसके मोबाइल नंबर से अवगत कराने पर बोला की आपका काम हो गया है आप पैसे की व्यवस्था कराईये, लडको को पैसा देना है। फिर अश्विनी डडसेना ने फैजान को बोला रिंकू यादव पैसा एवं घुमने जाने के लिये टिकिट कराकर देगा, फिर अश्विनी ने फैजान को कहा था को उसका व उसके घर वालो का नाम नहीं आना चाहिए।

जेल कर्मचारियो की मिलीभगत

जेल में मोबाइल मिलना सुरक्षा व्यवस्था की एक गंभीर चूक है, जिससे अपराधियों को बाहर से संपर्क करने, रंगदारी मांगने और नए अपराधों की योजना बनाने का मौका मिलता है, जो सुरक्षा और जेल कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए खतरा है। यह अक्सर जेल कर्मचारियों की मिलीभगत या भारी सुरक्षा के बावजूद मोबाइल पहुंचाने के तरीकों (जैसे दीवार के ऊपर से फेंकना) के कारण होता है।

जेल अधीक्षक पहुचे रूटीन जांच पर

मंगलवार को रूटीन निरीक्षण के दौरान दुर्ग केंद्रीय जेल अधीक्षक मनीष संभाकर जिला जेल बालोद पहुचे। उन्होंने जेल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस पूरे निरीक्षण के दौरान उन्होंने सिक्युरिटी व्यवस्था की जांच की। जब मनीष संभाकर से पायनियर ने फोन पर चर्चा की तो उन्होने रूटीन जांच पर जिला जेल आने और मोबाइल मिलने के मामले में जानकारी नही होने की बात कही। तो पायनियर ने पूरी घटना को जेल अधीक्षक के संज्ञान में लाया तो उन्होंने जांच कर कार्यवाही की बात कही। बड़ी बात है कि जिला जेल प्रबंधन के द्वारा अपने जेल अधीक्षक मनीष संभाकर को मोबाइल मिलने की जानकारी नहीं दी गई।

मांगों को लेकर अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन की हड़ताल से कामकाज ठप

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आह्वान पर तृतीय चरण की तीन दिवसीय निश्चित कालीन हड़ताल पूरे प्रदेश में जोरदार तरीके से शुरू हो गई है। पूरे प्रदेश के लगभग 4.10 लाख कर्मचारी-अधिकारी कामकाज छोड़कर आंदोलन में शामिल हुए जिससे शासकीय कार्यालयों की कार्यप्रणाली पूरी तरह ठप्प हो गई। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में आयोजित विशाल धरना-प्रदर्शन में कर्मचारियों का गुस्सा साफनजर आया। मंच से वक्ताओं ने दो टूक कहा कि अब केवल आश्वासन नहीं, आदेश चाहिए। अगर सरकार ने अनदेखी की, तो आंदोलन और उग्र होगा। नेतृत्व ने संभाली कमान, मंच पर दिखी मजबूत एकजुटता। धरना-प्रदर्शन में कर्मचारियों की अगुवाई करते हुए छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रदेश संयोजक कमल वर्मा, प्रदेश सचिव राजेश चटर्जी, छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय शिक्षक फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू सहित कर्मचारी नेताओं ने संबोधित किया और आंदोलन को निर्णायक मोड़ तक ले जाने का संकल्प दिलाया। छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय शिक्षक फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू ने आगे कहा फेडरेशन में मैं शिक्षक एलबी संवर्ग का प्रतिनिधित्व करता हूं। इसलिए हमारी कौन सी मांग इसमें जुड़ी है, इस पर बात करना जरूरी है। हमारी प्रमुख मांग प्रथम नियुक्ति से सेवा का लाभ, वेतन विसंगति दूर करने, लंबित डी.ए. एरियर्स सहित, कैशलेश चिकित्सा, चार स्तरीय समयमान वेतनमान, 300 दिवस अर्जित अवकाश÷ इनमें से कोई भी मांग पूरा होता है तो स्वाभाविक तौर पर उसका लाभ हम शिक्षकों मिलेगा। जहां हमारे वास्तविक हक और अधिकार की बात है वहां हमेशा सामने आकर हमने लड़ना सीखा और सिखाया है। आज वही समय हमारे सामने है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के इस आंदोलन में छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय शिक्षक फेडरेशन के इन प्रमुख पदाधिकारी की रही मौजूदगी जिसमें संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू, प्रदेश संरक्षक रेखराज साहू, अनिल रामटेके, प्रदेश सचिव- अशोक कुमार तेता, प्रदेश कोषाध्यक्ष- तेजराम कामाड़िया, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष- नरेंद्र लाल देवदास, संजय मेहर,, दीपक प्रकाश, प्रदेश संयोजक महिला प्रकोष्ठ- हीना कश्यप, प्रभारी प्रदेश महामंत्री संगठन- जितेंद्र कुमार साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष- रमेश सलामे, आनंद कुमार साहू, भुनेश्वरी सहारे, सूर्य लाल साहू, प्रेमचंद सोनवानी, प्रदेश प्रवक्ता- हेमलता बढ़ाई, धनीराम मरकाम, प्रदेश मीडिया प्रभारी- रमेश कुमार साहू, प्रदेश महासचिव- अनुपमा सोनी, भूपेंद्र कुमार साहू, रत्नाकर खूंटिया, प्रदेश महामंत्री- रामाधार नायक, व्यास नारायण सोरी, कीर्तन मंडावी, प्रदेश संगठन मंत्री- अश्विनी कुमार देशलहरे, गायत्री चनाप, सगुन कुमार मंडावी, प्रदेश संयुक्त महामंत्री- मितेंद्र कुमार बघेल, कमलकांत नेताम, संभाग प्रभारी सरगुजा- महेश कुमार यादव, संभाग प्रभारी दुर्ग- नरेंद्र कुमार साहू, संभाग प्रभारी बस्तर- आत्माराम यादव, संभाग प्र7भारी रायपुर- रामकरेश जोशी, जिला अध्यक्ष बस्तर- नीरज कुमार गौर, जिला अध्यक्ष कोंडागांव- सुरेश कुमार बेर, जिला अध्यक्ष मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी- राजकुमार सरजारे, जिला अध्यक्ष बेमेतरा- अरुण कुमार सोनी, जिला अध्यक्ष मुंगेली- राजकुमार धृतलहरे, जिला अध्यक्ष रायपुर- लेखराज सोनी, जिला अध्यक्ष जशपुर- महेश कुमार यादव, जिला अध्यक्ष दुर्ग- अनिल कुमार ठाकुर आदि शिक्षक गण हुए आंदोलन में शामिल।

धमतरी की ऐतिहासिक धरोहर को मिला नया सम्मान

मकई तालाब अब कहलाएगा पंडित हनुमान प्रसाद शोभाराम मिश्रा सरोवर

धमतरी। शहर के हृदय स्थल पर स्थित ऐतिहासिक मकई तालाब का नामकरण अब पंडित हनुमान प्रसाद शोभाराम मिश्रा सरोवर के रूप में किया गया। यह ऐतिहासिक निर्णय तालाब के मूल भूमिस्वामी स्व.पंडित हनुमान प्रसाद शोभाराम मिश्रा के स्मरण एवं सम्मान में नगर निगम धमतरी द्वारा लिया गया, जिसका विधिवत नामकरण नगर निगम महापौर जगदीश रामू रोहरा के करकमलों से गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मिश्रा परिवार की ओर से राम अवतार मिश्रा के सुपुत्र एवं उनके पौत्र रोहिताश मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर निगम के सभापति सहित पार्षदगण विजय मोटवानी, नरेंद्र रोहरा, कविन्द्र जैन, नम्रता माला पवार, निलेश लूनिया, अखिलेश सोनकर, मेघराज ठाकुर, विभा चंद्राकर, हेमंत बंजारे, श्यामलाल नेताम, कुलेश सोनी, निगम के अधिकारी.कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर रोहरा ने कहा कि धमतरी केवल एक शहर नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति और परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। ऐसे ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण एवं उनसे जुड़े महापुरुषों को सम्मान देना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह नामकरण आने वाली पीढ़ियों को शहर के गौरवशाली अतीत से जोड़ने का कार्य करेगा। महापौर ने यह भी कहा कि नगर निगम द्वारा तालाब के सौंदर्यीकरण, संरक्षण एवं पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य निरंतर किए जा रहे हैं, ताकि यह सरोवर धमतरी की पहचान और आकर्षण का प्रमुख केंद्र बने। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए नगर निगम की पहल की भूरि.भूरि प्रशंसा की और इसे धमतरी की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया।

जनदर्शन में मिले 21 आवेदन, आवेदनों के त्वरित निराकरण के दिये निर्देश

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आये लोगों की मांग, समस्याएं एवं शिकायतें सुनी। कलेक्टर ने आज जनदर्शन में 21 लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम मुरमुरा की भगवती बाई साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रतिक्षा सूची में नाम जोड़ने के लिए, ग्राम मुढ़ीपानी के सरजुराम ने वन भूमि के संबंध में, ग्राम कोकड़ी की सासाहू ने पेंशन दिलाने के लिए, ग्राम कोकड़ी के बुधराम साहू ने रकबा में सुधार कराने एवं नाम जुड़वाने के लिए, ग्राम कुरूद के जितेन्द्र कुमार साहू ने श्रम आईडी में त्रुटी सुधार कराने के लिए आवेदन किया।

तुमडीबोड़ और दीवानभेड़ी में हिंदू सम्मेलन सम्पन्न

डोंगरगांव नगर। राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत सर्व हिंदु समाज द्वारा डोंगरगांव खंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम दीवानभेड़ी एवं तुमडीबोड में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के अंतर्गत प्रातः ग्राम में प्रभात फेरी तथा शोभा यात्रा एवं कलश यात्रा निकाली गई। सम्मेलन स्थल में गौ एवं तुलसी पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।उक्त दोनों ही आयोजन में महात्यागी तथा छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध बाल संत रामबालक दास जी तथा प्रांत के सामाजिक समरसता प्रमुख कौशलेंद्र प्रताप सिंह एवं प्रसिद्ध वक्ता जितेंद्र शर्मा सहित प्रजापति ब्रह्म कुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय की ओर से बहन प्रभा एवं बहन भारती ने हिंदू एवं हिंदुत्व तथा सनातन जीवन पद्धति को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। ग्राम दीवानभेड़ी एवं तुमडीबोड में आयोजित हिंदू सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध संत रामबालक दास महात्यागी ने श्रोताओं को संबोधित करते हिंदू एवं हिंदुत्व को विस्तार से बताते हुए कहां की सनातन धर्म विश्व का सबसे प्राचीन धर्म है, जो श्रेष्ठ मानव जीवन तथा जीवन पद्धति है। दुनिया को धर्म और आध्यात्म भारत की ही देन बताया । प्रसिद्ध वक्ता जितेंद्र शर्मा ने अपने संबोधन में हिंदुओं और हिन्दुत्व पर सदियों से प्रहार कर सनातन संस्कृति मिटाने का कुप्रयास विधर्मियों के द्वारा किया जाता रहा है परंतु भारत भूमि के पूज्य संतों का प्रताप और वीरों का साहस का परिणाम है कि हम आज भी अपने पूर्वजों के दिए नाम और पहचान के साथ है। उन्होंने वर्तमान में हिंदुओं को धर्म विमुख करने और सनातन संस्कृति पर विधर्मियों के कुठाराघात को समझाते हुए संगठित व सतर्क रहने की बात कही। वही प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहन भारती ने हिंदू और हिन्दुत्व को विस्तार से समझाते हुए संगठित रहने के गुर सिखाए। तुमडीबोड के हिंदू सम्मेलन के अवसर के प्रथम सत्र में प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जो भारत को अपनी मां माने और गाय, गंगा एवं गीता को पूज्यनीय स्थान देकर सर्वे भवन्तु सुखिनः के सिद्धांत का पालन करे वही हिंदुत्व की विचारधारा है। प्रजापति ब्रह्मा कुमारी विश्वविद्यालय राजनांदगांव की बहन प्रभा एवं रंभा दीदी ने रामायण एवं श्रीराम के जीवन चरित्र को विस्तार से बताते हुए जीवन में अपनाकर जीवन को सफल और सुखद बनाने की सीख दी।

सिंघौरी में आवास निर्माण की गति तेज

बेमेतरा। जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंघौरी में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के उद्देश्य से प्रशासन ने निगरानी और मार्गदर्शन को और सुदृढ़ किया है। आवास निर्माण की धीमी प्रगति को लेकर जनपद पंचायत स्तर पर विशेष पहल की जा रही है, ताकि पात्र हितग्राहियों को शीघ्र पक्का आवास उपलब्ध कराया जा सके। इस क्रम में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) एवं तकनीकी सहायक द्वारा ग्राम पंचायत सिंघौरी का फील्ड विजिट किया गया। भ्रमण के दौरान लंबित आवासों की प्रगति का भौतिक सत्यापन किया गया तथा जिन हितग्राहियों द्वारा अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, उन्हें आवश्यक निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जो लाभुक आवास निर्माण में रुचि नहीं दिखा रहे हैं, उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रेरित किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर नियमानुसार विकल्पों पर भी विचार किया जाएगा।अधिकारियों ने हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत मिलने वाली वित्तीय सहायता, किस्तों की प्रक्रिया, निर्माण की गुणवत्ता, समय-सीमा तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी विस्तार से दी। साथ ही यह भी बताया गया कि समय पर निर्माण पूर्ण करने से अगली किस्त समय पर प्राप्त होगी। जिससे आर्थिक बोझ कम होगा और परिवार को सुरक्षित आवास मिल सकेगा।फील्ड विजिट के दौरान नए स्वीकृत आवासों को शीघ्र प्रारंभ कराने पर विशेष जोर दिया गया। तकनीकी सहायक द्वारा निर्माण से संबंधित तकनीकी पहलुओं, नक्शे एवं गुणवत्ता मानकों की जानकारी दी गई, ताकि आवास निर्माण टिकाऊ और मानकों के अनुरूप हो। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक भी उपस्थित रहे, जिन्होंने हितग्राहियों को मनरेगा सहित अन्य सहायक योजनाओं से समन्वय कर निर्माण कार्य में सहयोग लेने के बारे में जानकारी दी। प्रशासन ने भरोसा जताया कि नियमित निरीक्षण, मार्गदर्शन एवं हितग्राहियों से सतत संवाद के माध्यम से ग्राम पंचायत सिंघौरी में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत सभी स्वीकृत आवास निर्धारित समय में पूर्ण किए जाएंगे।

ऊर्जावान और समर्पित कार्यकर्ताओं के दम पर महिला मोर्चा भाजपा संगठन की शक्ति बनेगी : प्रज्ञा निर्वाणी

बेमेतरा। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, जिला बेमेतरा की नव नियुक्त जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी महिलाओं और कार्यकर्ताओं से मिलने साजा पहुंची वहाँ उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा की कार्यकारिणी में अब उन्हीं ऊर्जावान और सक्रिय कार्यकर्ता महिलाओं को स्थान दिया जाएगा, जो संगठन के लिए समय निकालकर निरंतर कार्य कर सकें और पार्टी के कार्यक्रमों में अग्रणी भूमिका निभाएँ। प्रज्ञा निर्वाणी ने बताया कि महिला मोर्चा के मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति हेतु प्रत्येक मंडल में शीघ्र ही महिला प्रभारियों की नियुक्ति की जाएगी। ये प्रभारी मंडल स्तर पर बैठक लेकर, कार्यकर्ता महिलाओं से रायशुमारी के आधार पर पैनल तैयार करेंगी, ताकि योग्यता-आधारित व संगठननिष्ठ नेतृत्व उभरकर सामने आए,उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा के सभी मंडलों में संगठनात्मक प्रक्रिया को तेज गति से आगे बढ़ाया गया है और मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया जनवरी माह में पूर्ण कर ली जाएगी। पहली बार जिले में महिला मोर्चा की संरचना को ग्राम पंचायत स्तर तक विस्तार दिया जाएगा, ताकि प्रत्येक गांव, वार्ड और पंचायत में संगठन की सशक्त उपस्थिति सुनिश्चित हो सके,उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यकारिणी में सभी समाजों, वर्गों और समुदायों की महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

साजा में महिला समूह की अध्यक्ष अंजलि चांडक ,सचिव वर्षा शर्मा ,सीता साहू,शांति साहू ,मोहनी निषाद,कमलेश्वरी निषाद,पूजा शर्मा,विरन बाई सावित्री शर्मा ने आत्मीय स्वागत कर जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी का महिलाओं ने आरती की थाली सजाकर पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत एवं सम्मान किया, साथ ही शॉल एवं प्रतीकात्मक भेंट प्रदान की। समूह की सचिव वर्षा शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि महिला मोर्चा, प्रज्ञा निर्वाणी के नेतृत्व में संगठनात्मक रूप से और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं जन-सरोकारों से जुड़ा हुआ स्वरूप लेगा। महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिला मोर्चा को संगठन की रीढ़ और सामाजिक परिवर्तन की अग्रिम शक्ति के रूप में विकसित करना ही उनका संकल्प है,भाजपा में जिले की सबसे मजबूत मोर्चा ही लक्ष्य है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत ग्राम ढोलिया में विधिक जागरूकता शिविर

बेमेतरा। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशानुसार तथा सचिव महोदया, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन में बाल विवाह मुक्त भारत कैंपेन के अंतर्गत ग्राम ढोलिया में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सहायक प्रतिरक्षा अधिवक्ताओं द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान अधिवक्ता आयुष शुक्ला ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रमुख प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है तथा इसमें शामिल व्यक्ति–चाहे वह माता-पिता हों, अभिभावक हों या विवाह संपन्न कराने वाले–सभी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने बाल विवाह से बच्चों, विशेषकर बालिकाओं, पर पड़ने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों के साथ-साथ इससे उत्पन्न होने वाली आर्थिक समस्याओं के बारे में भी ग्रामवासियों को अवगत कराया। अधिवक्ता देवेंद्र साहू ने बाल विवाह की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी संभावित या घटित बाल विवाह की सूचना संबंधित थाने, बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है तथा प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जाती है, जिससे बाल विवाह को समय रहते रोका जा सके। शिविर में उपस्थित अधिवक्ताओं ने ग्रामीणों से अपील की कि वे समाज में फैली कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक बनें और बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने अभिभावकों को समझाया कि बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षित भविष्य देना उनका कर्तव्य है। इस विधिक जागरूकता शिविर में सहायक एलएडीसी देवेंद्र साहू, अमन दुबे, आयुष शुक्ला, सुगीता दास, दुर्गा साहू एवं पी. राजेश्वरी उपस्थित रहे। शिविर के अंत में ग्रामीणों ने बाल विवाह के विरुद्ध संकल्प लेते हुए कानून का पालन करने एवं जागरूकता फैलाने का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार बस ने बाईक सवार का कुचला,एक की मौत एक घायल

रायपुर। जिले के नवा रायपुर क्षेत्र में एक तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई वहीं उसका साला गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना रायपुर जिले के राखी थाना क्षेत्र अंतर्गत उपरवारा चौकी क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार फिंगेश्वर क्षेत्र के ग्राम चरौदा निवासी तीरथ सोनवानी अपने साले गौतम रात्रे के साथ किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने खपरी जा रहे थे। दोनों नवा रायपुर स्थित बालको अस्पताल के पास पहुंचे थे इसी दौरान एक तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक से गिर पड़े और तीरथ सोनवानी का सिर बस के चक्के के नीचे बुरी तरह कुचल गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं गौतम रात्रे गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

रायपुर। नववर्ष को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने के उद्देश्य से कोरबा पुलिस ने 22 से 28 दिसंबर के बीच जिलेभर में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान सड़क सुरक्षा, यातायात अनुशासन और आम नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर विशेष निगरानी रखी गई। अभियान के तहत कुल 79 वाहनों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के अंतर्गत कड़ी कानूनी कार्रवाई की गई।जिले के विभिन्न थाना व चैकी क्षेत्रों में लगाए गए चेकपोस्ट और मोबाइल पेट्रोलिंग टीमों ने दिन-रात जांच की। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नशे की हालत में वाहन चलाने पर किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी और हर उल्लंघन पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।नाइट चेकिंग जारी रहेगीकोरबा पुलिस ने बताया कि सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगे भी नाइट चेकिंग और सघन कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि नववर्ष के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और नागरिक सुरक्षित आवागमन कर सकें।नागरिकों से कोरबा पुलिस की अपील:-नववर्ष का उत्सव सुरक्षित, संयमित और जिम्मेदारी के साथ मनाएं।शराब पीकर वाहन न चलाएंय यह जानलेवा होने के साथ कानूनन दंडनीय है।दोपहिया वाहन चालक हेलमेट और चारपहिया वाहन में सभी सवार सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें।

पिकनिक स्पॉट में छूटे बच्चे को परिवार से मिलाया पुलिस न

रायपुर। रेलवे लोको पायलट दिलीप पोर्ते का पांच वर्ष का बच्चा आखिरकार परिवार को मिल गया, जो जिले के पिकनिक स्पॉट बुका में छूट गया था। बांगो पुलिस ने इस मामले में तत्परता से कार्यवाही की।बताया गया कि भिलाई से रेलवे लोको पायलट दिलीप पोर्ते करीब 1 बजे अपने परिवार के साथ बुका पिकनिक स्थल पहुंचे थे। पिकनिक स्थल का निरीक्षण कर रहे पुलिसकर्मियों को जय प्रकाश यादव एवं गजेंद्र कैंटीन के पास एक 5 साल का बच्चा अकेले खेलते हुए दिखाई दिया। संदेह होने पर सिपाही ने बच्चे से पूछताछ की, जिस पर बच्चा रोने लगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा ने की प्रदेश की स्वास्थ्य स्थिति की उच्च स्तरीय समीक्षा

तेज़ सुधारों की राह पर छत्तीसगढ़ राज्य का स्वास्थ्य क्षेत्र-जेपी नड्डा

■ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आठ मेडिकल कॉलेजों के लिए केंद्र के समक्ष रखी पृथक अस्पताल स्थापित करने की माँग

रायपुर/ संवाददाता

स्वास्थ्य सेवाओं में तेज़ और प्रभावी सुधार की दिशा में केंद्र सरकार ने निर्णायक कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने बैठक में राज्यों को स्वास्थ्य क्षेत्र में मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य समयबद्ध रूप से प्राप्त किया जाएगा तथा जनभागीदारी आधारित मॉडल से स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ किया जाएगा। बैठक के दौरान प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, सचिव स्वास्थ्य श्री अमित कटारिया, मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन श्री रणबीर शर्मा व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान श्री नड्डा ने दवा विनियमन को कड़ा करने, निदान सुविधाओं का विस्तार करने, टेलीमेडिसिन व रोगी-केंद्रित देखभाल को बढ़ावा देने तथा जनभागीदारी को व्यापक रूप से सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देशभर में स्वास्थ्य परामर्श अभियान की शुरुआत की गई है, जिसके माध्यम से औषधि प्रबंधन, निदान सेवाओं और जनस्वास्थ्य पहलों को नई दिशा मिलेगी और इनका प्रभाव सीधे नागरिकों तक पहुँचेगा। केंद्रीय

मंत्री ने निर्देश दिए कि राज्यों के सभी रक्तकोष निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें तथा उनकी नियमित निगरानी व निरीक्षण को कठोर बनाया जाए। नि:शुल्क औषधि एवं निदान योजना के अंतर्गत अधिकतम जनसंख्या को लाभान्वित करने, खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम को प्राथमिकता देने और खाद्य एवं औषधि परीक्षण क्षमता को बढ़ाने के लिए राज्यों को ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम को तेज़ी से आगे बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए अधिक से अधिक निक्षय मित्र बनाने और उनके माध्यम से क्षय रोगियों के लिए पोषण एवं खाद्य सहायता उपलब्ध कराने पर बल दिया गया। श्री नड्डा ने कहा कि जोखिमग्रस्त आबादी में एक्स-रे आधारित जाँच को तीव्र गति से पूर्ण कर समयबद्ध निदान सुनिश्चित किया जाएगा, वहीं सभी जिलों में डे-केयर कीमोथेरेपी सेवाएँ संचालित कर कैंसर उपचार को सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि मातृ मृत्यु दर शिशु मृत्यु दर एवं नवजात मृत्यु दर में कमी लाने हेतु निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाए, जबकि गैर-संचारी रोगों की 100 प्रतिशत स्क्रीनिंग लक्ष्य आधारित तरीके से पूरी की जाए। इसी क्रम में कुष्ठ नियंत्रण के लिए प्रत्येक तिमाही सक्रिय रोगी खोज अभियान, स्क्रक्क और ढ्डस्क्रक्क पर उन्मुखीकरण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि ञ्जक्क कार्यक्रम को मज़बूत करने के लिए 146 हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनें राज्यों को उपलब्ध कराई जाएँगी। बैठक में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री द्वारा आठ मेडिकल कॉलेजों के लिए पृथक अस्पताल स्थापित करने की माँग भी केंद्र के समक्ष रखी गई । श्री नड्डा ने छत्तीसगढ़ की प्रगति की सराहना करते हुए मानव संसाधन में अतिरिक्त सहयोग हेतु केंद्र के सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि सिंगल नोडल एजेंसी प्रणाली ट्रस्ट मॉडल पर संचालित होती रहेगी, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों से खाद्य एवं औषधि नमूनों की जाँच बढ़ाई जाएगी और खाद्य सुरक्षा क्षमता विस्तार हेतु राज्य आवश्यक स्थान उपलब्ध कराएँगे, जिसके लिए केंद्र वित्तीय मदद प्रदान करेगा। विस्तृत चर्चा के पश्चात केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य की साझेदारी ही स्वास्थ्य सुधारों की आधारशिला है। हमारा लक्ष्य केवल सेवाओं का विस्तार नहीं, बल्कि परिणामों पर केंद्रित बदलाव है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचे।

वाहन चालकों को आ रहा है फर्जी चालान....

रायपुर। क्लोन वेबपेज के सहारे ई चालान द्वारा लोगों को चपत लगाने को लेकर परिवहन विभाग ने अलर्ट जारी किया है। लोगों को जागरूक करने के लिए विभाग प्रचार-प्रसार में जुट गया है। विभाग अलर्ट अधिकारिक मैसेज और फेक मैसेज के बारे में लोगों को बताकर धोखाधड़ी से बचने की सलाह दे रहा है। जहां एक ओर तीन सवारी, यातायात नियमों का पालन नहीं करने पर परिवहन व यातायात विभाग द्वारा लगातार चालान भेजा जा रहा है, वहीं इस दौरान फर्जी चालान के मैसेज भी लोगों को मिलने लगे हैं। इस मैसेज के साथ फेक वेबसाइट के लिंक पर क्लिक करते ही लोगों के पैसे कट रहे हैं। जानकारी मिलने पर विभाग ने अलर्ट जारी किया है। परिवहन विभाग द्वारा अपील की गई है कि धोखाधड़ी से बचने के लिए डॉट एपीके फाइल या किसी व्यक्तिगत नंबर पर क्लिक न करें। वहीं वास्तविक चालान की जांच के लिए परिवहन विभाग के आधिकारिक वेबसाइट ई चालान डॉट परिवहन डॉट जीओवीडॉट इन पर जाकर सर्च करें। इस दौरान मोबाइल नंबर की ओटीपी डालने पर चालान का विवरण मिलने की बात कही जा रही है। पंजीकृत मोबाइल नंबर से भी टेक्स्ट मैसेज द्वारा भी चालान की जानकारी हासिल की जा सकती है। परिवहन विभाग ने धोखाधड़ी की शिकायत संबंधित थाने में करने की बात कही है। फर्जी चालान ज्यादातर व्यक्तिगत नंबरों से प्रेषित किया जाता है, इसमें विभाग की वेबसाइट का लिंक नहीं होता है।

भाजपा के सुशासन की सरकार में धधक रहा छत्तीसगढ़ राज्यः विनोद चंद्राकर........

रायपुर। संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि भाजपा के कथित सुशासन की सरकार में आज छत्तीसगढ़ धधक रहा है। छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। पिछले 2 साल के कार्यकाल में ही भाजपा ने राज्य को पूरी तरह उद्योगपतियों के हवाले कर दिया है। स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, जिससे युवा वर्ग हताश व निराश होकर अपराध की ओर बढ़ रहे हैं। प्रदेश में नशे का अवैध कारोबार चरम पर है। राजधानी में ड्रग्स माफिया सक्रिय हो गए हैं। धर्मांतरण के नाम प्रदेश जल रहा है, हिंसक प्रदर्शन, तोड़फोड़ जैसी घटनाएं हो रही है, और इन घटनाओं पर अंकुश लगा पाने में साय सरकार पूरी तरह विफल साबित हो हुई है। छत्तीसगढ़ पूरी तरह अपराध का गढ़ बनकर रह गया है। श्री चंद्राकर ने कहा कि मोदी की गारंटी व साय का सुशासन केवल नाम का रह गया है। आज कोई भी वर्ग चाहे वह किसान, मजदूर, नौजवान, व्यापारी और खास कर महिलाएं सुरक्षित नहीं है। छोटी बच्ची से लेकर बुजुर्ग महिला तक सुरक्षित नहीं है। राजधानी सहित प्रदेशभर में अनाचार की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। इन घटनाओं से भाजपा सरकार जनता का भरोसा पूरी तरह खो चुकी है और प्रदेश में सरकार खिलाफ भारी जनाक्रोश है। 2023 की चुनाव में मोदी की गारंटी के नाम पर जनता से वोट लिया गया, लेकिन दो वर्षों में एक भी गारंटी पूरी नहीं की गई। किसान, युवा, महिलाएं, कर्मचारी और आदिवासी सभी वर्ग सरकार की नीतियों से नाराज हैं। पुलिस भर्ती, फारेस्ट गार्ड आदि भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी सामने आने से प्रदेश के पात्र युवाओं में गहरी नाराजगी है। आदिवासियों और किसानों की जमीन उद्योगों और खदानों के लिए अधिग्रहित की जा रही है और विरोध करने पर लाठीचार्ज किया जा रहा है। बस्तर के अबूझमाड़ियों को गाँवों से खदेड़ा जा रहा है। विरोध करने पर झूठे केस में आदिवासियों को गिरफ़्तार किया जा रहा।

स्वच्छ रसोई, स्वस्थ परिवार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का असर दिख रहा है

■ मुंगेली के पूनम और बबीता को मिला गैस कनेक्शन, धुएँ से मिली मुक्ति

रायपुर/ संवाददाता

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना आज गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की मिसाल बनती जा रही है। इसी कड़ी में मुंगेली नगर पालिका के अंतर्गत बशीर खान वार्ड की दो जरूरतमंद महिलाओं को इस योजना का लाभ मिला, जिससे उनके परिवार के जीवन में बड़ा परिवर्तन आया है। बशीर खान वार्ड, मुंगेली निवासी श्रीमती पूनम चक्रवर्ती को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस चूल्हा एवं भरा हुआ एलपीजी सिलेंडर प्रदान किया गया। इससे पहले पूनम चक्रवर्ती लकड़ी और कंडे से खाना बनाती थीं। घर के भीतर धुएँ का भारी गुबार भर जाता था, जिससे आंखों में जलन, सांस लेने में तकलीफ और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बनी रहती थीं। साथ ही, लकड़ी इकट्ठा करने और चूल्हे पर खाना पकाने में अत्यधिक समय लग जाता था, जिससे समय पर भोजन भी नहीं बन पाता था। अब गैस कनेक्शन मिलने के बाद उनके घर में धुएँ से पूरी तरह राहत मिल गई है। समय की बचत हो रही है और परिवार को समय पर स्वच्छ व सुरक्षित भोजन मिल पा रहा है। तीन सदस्यीय परिवार की गृहिणी पूनम चक्रवर्ती ने इस योजना को अपने जीवन के लिए वरदान बताया और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया । इसी वार्ड की एक अन्य लाभार्थी श्रीमती बबीता कुम्हार को भी उज्ज्वला योजना के तहत गैस चूल्हा व भरा सिलेंडर प्रदान किया गया। बबीता कुम्हार के चार सदस्यीय परिवार में पहले लकड़ी-कंडे से खाना बनाया जाता था, जिससे घर में धुआँ भर जाता था और बच्चों व महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। अब गैस सुविधा मिलने से भोजन जल्दी और सुरक्षित तरीके से तैयार हो रहा है। इससे न केवल स्वास्थ्य में सुधार होगा, बल्कि परिवार की दिनचर्या भी सुचारू रूप से चल सकेगी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी गरीब परिवारों को धुएँ से मुक्त रसोई उपलब्ध कराना है। इस योजना से महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा हो रही है, समय की बचत हो रही है और जीवन स्तर में सुधार आ रहा है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जरूरतमंद परिवारों तक इसका लाभ पहुंचाया जा रहा है, जो शासन की जनकल्याणकारी सोच को साकार करता है। दोनों लाभार्थियों ने एक स्वर में कहा कि उज्ज्वला योजना ने उनके घर की रसोई ही नहीं।

राजधानी रायपुर सहित अन्य प्रमुख नगरों में ई बसों के शीघ्र संचालन की तैयारी - साव

■ नगरीय निकायों में सड़क नाली एवं साफ सफाई की व्यवस्था को किया जा रहा दुरूस्त

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री नगरीय निकाय प्रभारी अरूण साव ने बताया कि शीघ्र ही राजधानी रायपुर में ई-प्रधानमंत्री बस सेवा का संचालन करने के सभी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सभी नगरीय निकायों में विकास एवं निर्माण कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। वहीं आम जनता के शिकायतों का भी निराकरण किया जा रहा है। आज यहां आयोजित पत्रकारवार्ता में उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने वर्ष 2024-25 में नगरीय निकायों में किए गए जनहित कार्यो का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। शहर में सड़क निर्माण सहित नाली, सीसी रोड तथा साफ सफाई की व्यवस्था में सुधार लाने का दावा किया। उन्होंने बताया कि रायपुर शहर को स्मार्ट सिटी का दर्जा दिया गया है। जिसके चलते यहां पर साफ सफाई की चुस्त दूरूस्त व्यवस्था रखी गई है। प्रदेश में 13 नगर निगम सहित नगर पंचायत एवं नगरपालिका हैं जिसकी संख्या 150 है। राजधानी रायपुर, कोरबा, भिलाई तथा बिलासपुर ई प्रधानमंत्री बस के संचालन के लिए चार्जिंग स्टेशन एवं डीपो का निर्माण तेज गति से जारी है। इसके निर्माण होने के पश्चात ई बस सेवा का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इससे आम लोगों को फायदा होगा, उन्होंने बताया कि आज जमाना ऑन लाईन का है। अभी तक कुल जितनी शिकायतें मिली है उनमें से अधिकांश का निराकरण कर दिया गया है। प्रशासनिक दृष्टिकोण से नगरगनिगम को चुस्त दुरूस्त बनाया जा रहा है। पैसे की सरकार के पास कोई कमी नहीं है। इस अवसर पर नगरीय निकाय के सचिव संचालक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

शराब घोटाला:अधिकारियों के खाते सीज किया गया

■ ईडी के अंतिम चालान में तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर आशीष श्रीवास्तव का नाम जोड़ा

रायपुर। संवाददाता

शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 29 हजार 800 पन्नों की चार्जशीट पेश की, जिसमें आबकारी विभाग के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर आशीष श्रीवास्तव का नाम जोड़ा गया है। ईओडब्ल्यू की चार्जशीट में उनका नाम शामिल नहीं था। हालांकि अब आशीष श्रीवास्तव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि सचिव कम आयुक्त आर संगीता के तीन जनवरी को छुट्टी से लौटने के बाद कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा मामले में आरोपी बनाए गए 31 अधिकारियों के खाते को सीज कर दिया गया है। कुल 38.21 करोड़ रुपए की संपत्ति सीज की गई है। साथ ही उन अफसरों की खाते कार्रवाई में शामिल हैं। जिनकी पत्नियों के खाते में संदिग्ध ट्रांजेक्शन मिले हैं। बता दें कि ईओडब्ल्यू की चार्जशीट में 29 अफसर आरोपी बनाए गए थे। इनमें से 22 को 7 जुलाई 2025 को सस्पेंड कर दिया गया था। बाकी 7 रिटायर हो चुके हैं। हाल ही में आयुक्त निरंजन दास को भी गिरफ्तार किया गया है। ईडी ने जांच में पाया है कि शराब घोटाले में अफसरों को करीब 90 करोड़ रुपए बांटे गए। इसमें पूर्व आयुक्त निरंजन दास को 18 करोड़ रुपए की रिश्वत दी गई।

1.54 करोड़ की लागत से होगा तैयार

पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर में कांवड़िया विश्राम गृह निर्माण का भूमिपूजन

■ कांवड़ियों को उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की बड़ी सौगात

रायपुर/ संवाददाता

पवित्र सावन माह में अमरकंटक से मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर दुर्गम एवं कठिन रास्तों से पदयात्रा करते हुए कवर्धा स्थित भगवान बूढ़ा महादेव में जलाभिषेक करने आने वाले हजारों श्रद्धालु कांवड़ियों के लिए आज एक ऐतिहासिक सौगात मिली। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कांवड़ियों की सुविधा और विश्राम के लिए 1 करोड़ 54 लाख 72 हजार रूपए की लागत से बनने वाले श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर कांवड़िया विश्राम गृह (डोम) के निर्माण कार्य का विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। भूमिपूजन कार्यक्रम से पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भगवान बूढ़ा महादेव मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक किया एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सांसद श्री संतोष पाण्डेय, पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, पूर्व विधायक श्री योगेश्वर राज सिंह, श्री अशोक साहू, जिला पंचायत सभापति डॉ. बीरेन्द्र साहू, नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष श्री पवन जायसवाल, जनपद उपाध्यक्ष श्री गणेश तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेश राम धुर्वे, श्रीमती विजयलक्ष्मी तिवारी, श्रीमती सतविंदर पाहुजा सहित समस्त पार्षद, जनप्रतिनिधि, श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव सेवा समिति के सदस्य उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान बूढ़ा महादेव न केवल कवर्धा बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आस्था का एक प्रमुख केंद्र है। यह स्थल सदियों से श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र रहा है। प्रत्येक वर्ष पवित्र सावन माह में बड़ी संख्या में कांवड़िये अमरकंटक से मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर कठिन एवं दुर्गम मार्गों से पैदल यात्रा करते हुए भगवान बूढ़ा महादेव में जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। कांवड़ियों की इस कठिन तपस्या, अटूट आस्था एवं श्रद्धा को दृष्टिगत रखते हुए उनके विश्राम एवं आवश्यक सुविधाओं के लिए श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर में कांवड़िया

विश्राम गृह (डोम) का निर्माण किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं आरामदायक रूप से ठहरने की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के अमरकंटक क्षेत्र में भी कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए शीघ्र ही भूमि भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे छत्तीसगढ़ सहित कवर्धा एवं अन्य जिलों से अमरकंटक जाने वाले कांवड़ियों और श्रद्धालुओं को वहां ठहरने की बेहतर व्यवस्था मिल सकेगी। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि भोरमदेव क्षेत्र के समग्र विकास के लिए 146 करोड़ रुपये की लागत से भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। यह कॉरिडोर उज्जैन एवं बनारस की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिससे भोरमदेव मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण होने के साथ-साथ श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि नववर्ष के अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की गरिमामयी उपस्थिति में भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम जिलेवासियों के लिए गर्व का विषय है, जो कवर्धा को धार्मिक एवं पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगी। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने समस्त नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से इस ऐतिहासिक अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया। सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर में कांवड़िया विश्राम गृह (डोम) निर्माण पूरे क्षेत्र के लिए अत्यंत गर्व और आस्था का विषय है। कवर्धा की ख्याति आज पूरे देश में धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से स्थापित हो चुकी है। श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर को श्रद्धालुओं द्वारा 'छोटा काशी' के रूप में जाना जाता है। श्री पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर में 24 घंटे चलने वाला राम नाम संकीर्तन भगवान की विशेष कृपा और आशीर्वाद का प्रतीक है, जिससे सम्पूर्ण क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक वातावरण बना रहता है।

संपादकीय

लापरवाही का धुआं और 5 जिंदगियां खाक

आमतौर पर होटलों में ठहरने के दौरान यह उम्मीद की जाती है कि वहां सुकून के साथ सुरक्षित माहौल भी होगा। मगर देश भर के कई होटलों में जिस तरह की लापरवाही बरती जाती है, वह चिंताजनक है। सुरक्षा के बुनियादी इंतजाम न होने के कारण कई दफा लोगों की जान तक चली जाती है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में ऐसी ही एक घटना सामने आई है। यहां एक होटल में सोमवार रात अंगीठी के धुएं के कारण पांच लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। ये सभी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से इस होटल में रंग-रोगन संबंधी कार्य के लिए आए थे और वहीं एक कमरे में ठहरे थे। यह आश्चर्य की बात है कि इस होटल के कमरे में अंगीठी का इस्तेमाल हो रहा था। ऐसे में सवाल है कि अंगीठी का बंदोबस्त होटल प्रबंधन ने ही किया था या फिर इन लोगों ने अपने स्तर पर इसका इंतजाम किया? और अगर निजी तौर पर वहां अंगीठी लाई गई थी, तो कर्मचारियों ने उन्हें रोका क्यों नहीं! यहां तक कि कमरे से उठते धुएं पर भी ध्यान न देना गंभीर लापरवाही की ओर इशारा करता है। होटलों में प्राथमिक सुविधाओं के साथ सुरक्षा संबंधी बंदोबस्त की जांच करना स्थानीय प्रशासन की भी जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि धुएं और आग की चेतावनी देने वाले उपकरण आमतौर पर कर्मचारियों को सचेत कर देते हैं। ऐसे में सवाल है कि इस होटल में क्या जरूरी सुरक्षा उपकरण नहीं लगाए गए थे? इस तरह की व्यवस्थागत खामी के लिए होटल प्रबंधन के साथ-साथ वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं, जो व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में समय-समय पर सुरक्षा उपायों का निरीक्षण करते हैं। कुरुक्षेत्र में हुए हादसे को टाला जा सकता था, अगर वहां तैनात कर्मचारी सचेत रहते और सुरक्षा के माकूल इंतजाम किए गए होते। लापरवाही के इस धुएं में पांच लोगों के जीवन की लौ बुझ गई, तो इसका दोषी कौन है? इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सरकार और प्रशासन को व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर ठोस कदम उठाने होंगे।

28 दिसम्बर 2003 : सुप्रसिद्ध राजनेता समाजसेवी कुशाभाऊ ठाकरे का निधन

जनसंघ, जनतापार्टी और भाजपा के संस्थापक सदसय और कार्यकर्ताओं की अनोखी पीढ़ी तैयार की

रमेश शर्मा

स्वर्गीय कुशाभाऊ ठाकरे भारत की ऐसी ऋषि परंपरा के वाहक रहे हैं। जिन्होंने अपनी साधना, तपस्चर्या और सेवा संकल्प से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी को कीर्तिमान स्वरूप प्रदान करने के लिये पूरा जीवन समर्पित कर दिया। आज यदि भारतीय जनता पार्टी ने अपने जन समर्थन और संगठनात्मक स्वरूप में पूरे विश्व में सबसे बड़ा राजनीतिक दल के रूप में आकार लिया है तो इसके पीछे कुशाभाऊ ठाकरे जैसे तपोनिष्ठ ऋषि तुल्य विभूतियों की साधना ही रही है।

कुशाभाऊ ठाकरे जी का जन्म 15 अगस्त 1922 को मध्यप्रदेश के धार नगर में हुआ था । आज उनकी शताब्दी वर्ष की पूर्णता के तिथि हैं। विक्रम संवत की दृष्टि से यह तिथि संवत् 1979 भाद्रपद माह कृष्ण पक्ष की अष्टमी थी । यह अष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के अवतार की तिथि है, इसे जन्माष्टमी कहते है। तपस्या और त्यागमयी जीवन के साथ संस्कृति, समाज और राष्ट्रसेवा का व्रत उन्हें अपने परिवार के संस्कार में मिला था। उनके पिता डाक्टर सुन्दरराव जी ठाकरे अपने समय के सुप्रसिद्ध चिकित्सक थे जिन्होंने अहमदाबाद मेडिकल कॉलेज से डॉक्टरी की डिग्री ली थी। प्लेग और अन्य महामारी के समय अपने प्राणों बिना परवाह किये पीड़ितों की सेवा करने के लिये सुविख्यात रहे हैं। ठाकरे जी का परिवार कोंकण के पाली गाँव का मूल निवासी था। किन्तु समय के साथ उनके प्रपितामह गुजरात के मेहसाणा में आ बसे थे। जहाँ उनकी गणना एक संपन्न और प्रतिष्ठित परिवार के रूप में होने लगी थी । पिता सुन्दरराव जी का जन्म मेहसाणा में हुआ। सुन्दरराव जी अपने छात्र जीवन से ही स्वदेशी आंदोलन से जुड़ गये थे । स्वदेशी अभियान के साथ ही उन्होने अपनी पढ़ाई की थी । वे मेडिकल की पढ़ाई करने अहमदाबाद मेडिकल कॉलेज गये। मेडिकल की पढ़ाई के बीच ही उनका विवाह धार के प्रतिष्ठित दिघे परिवार की बेटी शांता बाई के साथ हो गया था। पढ़ाई पूरी करने लौटे तो परिवार में संपत्ति बँटवारे पर कुछ खींचतान आरंभ हुई। तब पत्नि के परामर्श से अपने हिस्से की संपत्ति भी अपने भाई विनायकराव को देकर खाली हाथ एक जोड़ी कपड़े से धार आकर गये थे। धार में आधुनिक मेडिकल चिकित्सा पद्धति का कोई डाक्टर भी नहीं था। इसीलिए उन्हें अपना प्रतिष्ठित स्थान बनाने में अधिक कठिनाई नहीं हुई। महाराजा धार ने भी उनका स्वागत किया । कुशाभाऊ जी का जन्म यहीं धार में हुआ। उनकी आभा बहुत सौम्य और आकर्षक थी। उनका जन्म जन्माष्टमी को हुआ था। इसलिये उनके नाना ने इस नन्हे बालक को कृषा कहकर पुकारा। समय बीता । नामकरण संस्कार का समय आया। तब उनका नाम शशिकांत रखा गया। नाम भले शशिकांत रखा गया हो पर वे प्रचलन में ÷कृषा÷ और ÷कुशा÷ और कुशाभाऊ के नाम से ही जाने गये। समय के साथ बड़े हुये। धार के विद्यालय में शिक्षा आरंभ हुई। तब उनका पूरा नाम ÷शशिकांत सुन्दरराव ठाकरे÷ अंकित किया गया। उनका छात्र जीवन इसी नाम का रहा। औपचारिक रूप में भले उनका नाम शशिकांत ठाकरे रहा । पर घर बाहर और विद्यालय के मित्रों के बीच उनकी पहचान कुशाभाऊ नाम से प्रतिष्ठित रही ।

स्वदेशी आंदोलन के प्रबल समर्थक और गाँधीजी के खादी आंदोलन में सहभागी रहे पिता डाक्टर सुन्दर राव का जुड़ाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से हो गया था। इस नाते परिवार में संघ विचार का वातावरण था । कुशाभाऊजी किशोर वय में संघ और संघ विचार से परिचित हो गये थे। और उनका शाखा जाना आरंभ हो गया। 1939 में कुशाभाऊ जी ने धार से मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की। पिता अपने पुत्र को अपनी ही भांति डाक्टर बनाना चाहते थे। इसीलिए आगे की पढ़ाई के लिये ग्वालियर भेज दिया। कुशाभाऊ जी कुशाग्र बुद्धि थे। मैट्रिक परीक्षा उन्होंने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी । इसलिये ग्वालियर में सरलता से प्रवेश भी मिल गया। उन्होने 1941 में इंटर की परीक्षा उत्तीर्ण की और मेडिकल में दाखिला भी ले लिया । किन्तु नियति ने उनके लिये कुछ कार्य निर्धारित किया था । वे संघ विचार में ढल गये थे, शाखा के नियमित स्वयं सेवक थे । उन्होंने 1942 में संघ के शिक्षा वर्ग में प्रशिक्षण लिया और अपना पूरा जीवन राष्ट्र, संस्कृति और संघ को समर्पित कर दिया । उन दिनों संघ के शिक्षा वर्ग को ÷ओ टी सी÷ नाम से जाना जाता था ।

ओटीसी के बाद ठाकरे जी अपनी पढ़ाई छोड़कर संघ के प्रचारक निकल गये । पढ़ाई छोड़ने संघ का प्रचारक बनने की अनुमति परिवार से मांगी, जो सहज ही मिल गई । और 1942 से उनका संघ जीवन पूर्ण कालिक प्रचारक के रूप हो गया ।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने उन्हें मालवा और मालवा से लगे राजस्थान के क्षेत्र में संघ के विस्तार का कार्य सौंपा । उन्होंने नीमच को अपना केन्द्र बनाया और इसके चारों ओर धार, झाबुआ, रतलाम मंदसौर राजगढ़ शाजापुर से लेकर चित्तौड़ तक निरंतर प्रवास किये । उज्जैन, धार, झाबुआ, शाजापुर, रतलाम मंदसौर आदि जिलों का तो संभवतः कोई गाँव ऐसा शेष हो जहाँ ठाकरे जी ने संपर्क न किया हो, उन्होंने निरंतर प्रवास किये। जहाँ जो साधन मिला साइकल बस बैलगाड़ी जो मिला उसी से यात्रा निरंतर रही । हनुमान जी ने कभी कहा था ÷रामकाज कीजै बिना मोहि कहाँ विश्राम÷ संभवतः यही मंत्र ठाकरे जी का था अंतर केवल एक ठाकरे जी संकल्प था ÷ संघ कार्य कीजै बिना मोहि कहाँ विश्राम÷ । सुन्दर लाल पटवा, वीरेन्द्र कुमार सकलेचा और कैलाश जोशी जैसे सुपरिचित व्यक्तित्वों को उनकी युवा आयु में ठाकरे जी ने ही संघ से जोड़ा था । 1947 में सुन्दर लाल पटवा को संघ कार्य के लिये प्रचारक के रूप में ठाकरे जी ने ही तैयार किया था । और जब 1951 में राजनैतिक दल के रूप जनसंघ अस्तित्व में आया तब ठाकरे जी ने ही पटवा जी को मालवा में जनसंघ कार्य विस्तार का दायित्व दिया ।

समय अपनी गति से साथ दौड़ता रहा । समय के साथ संघ और जनसंघ का कार्य भी गति लेता रहा । समय के साथ परिवार की एक शाखा इंदौर आ गयी । इस नाते कुशाभाऊ जी को यहाँ परिवार से संघ कार्य में सहायता मिली । हो सकता है किसी को यह बात सुनने में सच न लगे किन्तु यह सत्य है कि ठाकरे जी ने संघ और जनसंघ के कार्य विस्तार में परिवारजनों का तो सहयोग लिया किंतु स्वयं परिवार की कभी सहायता न की । वे पाँच भाई एक बहन थे । स्वाभाविक है समय के साथ परिवार का और विस्तार हुआ । परिवार की शाखाएँ विभिन्न नगरों मे हैं । एक शाखा धार में भी । पर सभी सामान्य जीवन ही जी रहे हैं । ठाकरे जी का संगठन के प्रति, अपने कार्य के प्रति कितना समर्पण था इसका अनुमान इस घटना से भी लगाया जा सकता है कि 1953 में जब उनकी माता जी शाँताबाई मरणासन्न हुई तब संदेश मिलने के बाद भी वे धार न जा सके । और अंतिम संस्कार में ही गये । यह ठाकरे जी की साधना का ही प्रभाव था कि मालवा क्षेत्र में संघ और जनसंघ की जड़ें तो गहरी हुईं ही, संघ कार्य विस्तार के लिये प्रचारक भी बड़ी संख्या में इस क्षेत्र से निकले । ठाकरे जी ने अपने कार्य विस्तार में परिवार का ही सहयोग नहीं लिया अपितु अपने मित्रों को भी संघ और जनसंघ के कार्य विस्तार में जोड़ा। इसका सबसे बड़ा उदाहरण ग्वालियर के नारायण कृष्ण शेजवलकर हैं । वे ग्वालियर में इंटर की पढ़ाई के साथ ठाकरे जी के मित्र बने और पहले संघ से और फिर जनसंघ से जुड़े ।

मध्यप्रदेश में जनसंघ की स्थापना के साथ उन्होंने पूरे मध्यप्रदेश की यात्राएं कीं। उन दिनों छत्तीसगढ भी मध्यप्रदेश का एक अंग था । मुरैना से बस्तर तक और झाबुआ से रीवा तक मध्यप्रदेश का ऐसा कोई नगर कस्बा नहीं जहाँ ठाकरे जी ने यात्रा न हो और कार्यकर्ता न खड़े किये हों । वे संघ प्रचारक के रूप में सर्वाधिक समय मालवा में रहे । जनसंघ को और बाद में भारतीय जनता पार्टी को सबसे अधिक सफलता इसी क्षेत्र से मिलती थी ।

वे जनसंघ और बाद में भाजपा के लगभग सभी महत्वपूर्ण पदों पर रहे । संगठन मंत्री, महामंत्री और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे । लेकिन पद उनके लिये महत्व पूर्ण न था । वे किसी भी पद पर रहे हों उनकी जीवन शैली सदैव एक सी रही । उन्होंने जीवन भर धोती कुर्ता पहना । खादी का कुर्ता उन्हें सदैव प्रिय रहा । वे बिना प्रेस के धोती कुर्ता पहनते थे और अपने हाथ से स्वयं धोते थे । और जब पार्टी के काम विस्तार हुआ तब उनके सहायक की वृद्धि हुई । बड़ी मुश्किल से उन्हे समझाया जा सका और वे तैयार हुये । वे चने मुरमुरे से शाम का अल्पाहार करते थे और मिठाई में इमरती उन्हे पसंद थी । वे बोलते कम थे । भोपाल में जनसंघ का प्रांतीय कार्यालय पहले चौक बाजार के पास लखेरापुरा में था फिर सोमवारा आया । वे भोपाल में जब भी रहते तो कार्यकर्ताओं से मिलने केलिये अधिक समय देते थे । प्रदेश चारों कौनों पर उन्होंने जिन कार्यकर्ताओं को जोड़ा वे सब प्रभावशाली और संगठन के लिये उपयोगी रहे । उस समय हिन्दु महासभा के अत्यंत प्रभावशाली नेता विदिशा के निरंजन वर्मा जी और भोपाल के भाई उद्धवदास जी मेहता को जनसंघ में लाने वाले ठाकरे जी थे । राजमाता जी के लिये जनसंघ में आने का मार्ग बनाने वाले ठाकरे जी थे । ठाकरे जी सुनते अधिक थे और बोलते कम थे । पता नहीं उनमें वह क्या विशेषता थी कि बातचीत के बाद कार्यकर्ता उनसे सदैव प्रसन्नचित्त और संतुष्ट भाव से ही लौटता था । दूरदराज से कोई कार्यकर्ता उनके पास कैसी भी शिकायत लेकर आता पर उनके सामने उसका सारा असंतोष निकल जाता और वह उत्साह के साथ संगठन के काम में जुट जाता । सारी बात सुनकर कार्यकर्ता का एक हाथ मोड़ कर पीठ पर घूँसा मारना मानों उनके आत्मीय स्नेह की वर्षा होती और कार्यकर्ता प्रसन्न और सन्तुष्ट होकर लौटकर जाया करते थे । जनसंघ के संगठन मंत्री के रूप में उन्होंने उड़ीसा, राजस्थान, गुजरात महाराष्ट्र आदि अनेक प्रातों में कार्य को विस्तार दिया । उन्होंने खंडवा लोकसभा क्षेत्र से लोकसभा के लिये दो चुनाव लड़े । पहले उपचुनाव में तो सफलता मिली पर दूसरी बार आमचुनाव में सफलता न मिल सकी । सबने आग्रह किया तो चुनाव लड़ लिया । न जीत की खुशी न हार का गम । वे जैसे पहले थे वैसे ही जीत के बाद भी और हार के बाद भी रहे । उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के पूर्व बीच में कुछ समय ऐसा भी बीता जब लगा ठाकरे जी एकाकी हो रहे हैं। वे भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली कार्यालय के अंग के समीप के परिसर में ही रहा करते थे । पर तब भी उनके व्यवहार में विचार में कोई अंतर न आया था । जो भी मिलने जाता उससे उसके परिवार ही नहीं उसके मित्रों का भी हालचाल पूछते थे । उनकी स्मरण शक्ति भी अद्भुत थी। वे एक बार नाम पूछते तो सदैव स्मरण रखते थे । मध्यप्रदेश और देश के कितने कार्यकर्ता थे जिन्हे ठाकरे जी नाम लेकर ही पुकारते थे । वे विलक्षण विद्वान थे, कौनसा ऐसा विषय था जिसका वे समुचित समाधान न सुझा देते थे । वे मनोविज्ञान के तो मानों विशेषज्ञ थे । मन के भाव जानकर कार्यकर्ता को मार्गदर्शन देते थे ।

आपातकाल में मीसा में निरुद्ध रहे । जेल के भीतर सभी कार्यकर्ताओं को ढांढस बँधा कर गीत भजन में लगाना उनकी विशेषता थी। जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के बीच कुल कालखंड जनता पार्टी के रूप में भी बीता। उस काल खंड कुछ अन्य घटक समूहों ने अनावश्यक जनसंघ घटक के लोगों पर दबाना आरंभ किया । तब ठाकरे जी उनकी भी पूरी बातें सुनते और अपने कार्यकर्ताओं को संयम बनाये रखने की सलाह देते । अंततः वह स्थिति अधिक दिन न सकी । इसका आभास ठाकरे जी को था। आपातकाल के बाद 1977 में जनता पार्टी सत्ता में आई। किंतु 1979 से ही ठाकरे जी ने बिना कुछ कहे जनता पार्टी के भीतर जनसंघ घटक के कार्यकर्ताओं को सामाजिक और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय कर दिया था । और अंततः 1980 में भारतीय जनता पार्टी अस्तित्व में आई । कौन कौन कार्यकर्तृता मध्यप्रदेश से मुम्बई अधिवेशन में जायेगा इसका समन्वय स्वयं ठाकरे जी किया और मुम्बई में पाँडालों में ठहरे कार्यकर्ताओं की व्यवस्था को स्वयं जाकर देखा था । 1984 के लोकसभा और 1985 के विधानसभा चुनाव में आशातीत सफलता न मिलने के बाद जनहित के मुद्दों पर आंदोलन की रणनीति ठाकरे जी ने तैयार की । विशेषकर किसानों की समस्या पर आंदोलन का निर्णय ठाकरे जी ने लिया था । और 1990 में भारतीय जनता पार्टी ने पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाई ।

राजनैतिक उतार चढ़ाव कैसे भी रहे हों पर ठाकरे जी जीवन शैली विचार बीथि में कभी अंतर नहीं आया। वे संघ के प्रचारक रहे हों या भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हों। सदैव एक सी शैली में जिये। सेवा और संगठन का विस्तार उनका प्रमुख ध्येय था। उन्होंने कभी प्रशंसा आलोचना अथवा पद पाने, या न पाने की चिंता नहीं की । वे समान गति और समान चिंतन से ही जिये।

वीर बाल दिवस- युवा भारत की प्रेरणा

भारत का इतिहास केवल तिथियों और युद्धों का संकलन नहीं है, बल्कि वह मानवीय साहस, नैतिक दृढ़ता और आत्मबल की जीवंत परंपरा है। वीर बाल दिवस, जो प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को मनाया गया है, इसी परंपरा का एक अमर अध्याय है।

(डॉ. शिवानी कटारा)

1705 का समय था। मुगल सत्ता का अत्याचार चरम पर था और गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार को अत्यंत कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। बड़े साहिबजादे–अजित सिंह और जुझार सिंह–युद्धभूमि में वीरगति को प्राप्त हुए। वहीं छोटे साहिबजादे अपनी दादी माता गुजरी के साथ पकड़ लिए गए। उन्हें भय दिखाया गया, प्रलोभन दिए गए और निरंतर दबाव डाला गया कि वे अपना धर्म छोड़ दें। यह दबाव मुगल सूबेदार वज़ीर खान के आदेशों के तहत परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। बड़े साहिबजादे–अजित सिंह और जुझार सिंह–युद्धभूमि में वीरगति को प्राप्त हुए। वहीं छोटे साहिबजादे अपनी दादी माता गुजरी के साथ पकड़ लिए गए। उन्हें भय दिखाया गया, प्रलोभन दिए गए और निरंतर दबाव डाला गया कि वे अपना धर्म छोड़ दें। यह दबाव मुगल सूबेदार वज़ीर खान के आदेशों के तहत

भारत का इतिहास केवल तिथियों और युद्धों का संकलन नहीं है, बल्कि वह मानवीय साहस, नैतिक दृढ़ता और आत्मबल की जीवंत परंपरा है। वीर बाल दिवस, जो प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को मनाया गया है, इसी परंपरा का एक अमर अध्याय है। यह दिवस सिखों के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह के छोटे साहिबजादों–साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह–के अद्वितीय बलिदान की स्मृति को समर्पित है। मात्र नौ और छह वर्ष की आयु में इन बाल वीरों ने धर्म, सच्चाई और आत्मसम्मान के लिए जो साहस दिखाया, वह आज भी भारत की चेतना को आलोकित करता है।

इतिहास– 1705 का समय था। मुगल सत्ता का अत्याचार चरम पर था और गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार को अत्यंत कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। बड़े साहिबजादे–अजित सिंह और जुझार सिंह–युद्धभूमि में वीरगति को प्राप्त हुए। वहीं छोटे साहिबजादे अपनी दादी माता गुजरी के साथ पकड़ लिए गए। उन्हें भय दिखाया गया, प्रलोभन दिए गए और निरंतर दबाव डाला गया कि वे अपना धर्म छोड़ दें। यह दबाव मुगल सूबेदार वज़ीर खान के आदेशों के तहत बढ़ाया गया, किंतु उन बच्चों ने अत्यंत शांति और दृढ़ता से यह स्पष्ट कर दिया कि आस्था कोई सौदे की वस्तु नहीं होती। परिणामस्वरूप उन्हें दीवार में जीवित चिनवा दिया गया। यह केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं थी, बल्कि मानव आत्मा की सर्वोच्च परीक्षा थी, जहाँ शरीर पर अत्याचार था, पर आत्मा अडिग थी। जैसा कि कहा गया है– साहस का अर्थ डर का न होना नहीं, बल्कि डर के होते हुए भी सत्य के साथ खड़े रहना है। इसी क्षण बचपन ने इतिहास को दिशा दी और यह सिद्ध किया कि उम्र छोटी हो सकती है, पर चेतना और साहस अनंत हो सकते हैं।

जेन जेड और मानसिक स्वास्थ्य– भारत सरकार ने वर्ष 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया, ताकि देश के बच्चे और युवा इन बलिदानों से परिचित हो सकें।

कुशल भारतीय युवाओं के लिए अन्य देशों में भी उपलब्ध हो रहे हैं रोजगार के अवसर

आज इजराइल भी, विशेष रूप से हम्मास के साथ हुए संघर्ष के बाद से, निर्माण के क्षेत्र में कुशल श्रमिकों की कमी से जूझ रहा है और भारत की ओर बहुत आशाभारी नजरों से देख रहा है। इजराईल ने भारत से एक लाख श्रमिकों को उपलब्ध कराने हेतु आग्रह किया है। इजराईल ने भारत के साथ इस सम्बंध में एक द्विपक्षीय रूपरेखा करार भी किया है। भारतीय संसद में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, इस करार के अंतर्गत, 1 जुलाई 2025 तक 6,774 भारतीय कामगारों को इजराईल भेजा जा चुका है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इजराईल भेजे जाने वाले श्रमिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ताकि उत्तर प्रदेश से अधिकतम युवाओं को इजराईल भेजकर उन्हें वहां पर आसानी से रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

(प्रह्लाद सबनानी)

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के बीच 29-30 अगस्त, 2025 को जापान में हुई बैठक में भारत और जापान के बीच रणनीतिक सहयोग की दिशा में एक दूरदर्शी मार्ग प्रशस्त किया है और दोनों देशों के बीच अगले दशक के लिए एक व्यापक संयुक्त विजन की नींव रखी गई है।

हाल ही के समय में भारतीय युवाओं ने भारतीय संस्कृति के नियमों का अनुपालन करने की ओर अपने पग बढ़ा दिए हैं। 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव को आत्मसात करते हुए अन्य कई देशों में उच्च शिक्षा ग्रहण करने के उद्देश्य से एवं अपनी उच्च शिक्षा समाप्त करने के पश्चात आज भारतीय युवा रोजगार प्राप्त करते हुए इन देशों में आसानी से रच बस रहे हैं। आज कई विकसित देशों में तकनीकी, स्वास्थ्य एवं रीसर्च जैसे क्षेत्रों में भारतीय मूल के नागरिकों का दबदबा बन गया है। इन देशों की अर्थव्यवस्था को गति देने में भारतीय मूल के नागरिकों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। कई अन्य देशों में रचे बसे भारतीयों ने अपनी हिंदू सनातन संस्कृति का पालन करते हुए अपनी छाप छोड़ी है। इसके चलते ही आज कई देश - रूस, जापान, इजराईल, वियतनाम, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, फ्रान्स एवं अन्य कई देश - भारतीय युवाओं की खुले रूप से मांग करने लगे हैं। विशेष रूप से विकसित देशों में आज श्रमबल की भारी कमी महसूस की जा रही है क्योंकि इन देशों में बुजुर्गों की संख्या बहुत तेज गति से बढ़ रही है और इन देशों में युवाओं द्वारा बच्चे पैदा नहीं करने अथवा कम बच्चे पैदा करने के चलते युवाओं की बहुत कमी हो गई है। इसीलिए भी विश्व के कई देश आज भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को शीघ्रता के साथ अंतिम रूप देना चाहते हैं ताकि वे भारत से श्रमबल को अपने देशों में विशेष सुविधाएं देकर आकर्षित कर सकें।

इस समय रूस लगभग 20 लाख कामगारों की कमी से जूझ रहा है। 4 एवं 5 दिसम्बर 2025 को रूस के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन, 23वें भारत रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने हेतु, भारत में आए थे। रूस के राष्ट्रपति की भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय चर्चा में अन्य मुद्दों के साथ साथ भारतीय युवाओं के लिए रूस द्वारा अपने दरवाजे खोलने पर भी गम्भीर चर्चा हुई थी। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2017 में प्रारम्भ हुए यूरेशियाई आर्थिक संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते को आगे बढ़ाते हुए उक्त 23वें भारत रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भारत एवं रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रूस में भारत

द्वारा निर्यात की जाने वाली 90 प्रतिशत वस्तुओं पर वर्ष 2028 तक शून्य टैरिफ सम्बंधी शर्तों को अंतिम रूप दिया गया। इससे भारतीय फार्मा और वस्त्र उद्योग के लिए तीन करोड़ उपभोक्ताओं का बाजार खुल जाएगा, जिससे प्रति वर्ष लगभग 1500 से 2000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। यूरेशियाई आर्थिक संघ में रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान, आर्मेनिया और किर्गिस्तान शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण समझौते के अंतर्गत भारत वर्ष 2030 तक सूचना प्रौद्योगिकी, निर्माण और नर्सिंग के क्षेत्रों में रूस को लगभग 5 लाख भारतीय श्रमबल उपलब्ध कराएगा। इससे भारत को अपने रोजगार सृजन के लक्ष्य को पूरा करने और अपनी जनसांख्यिकी बढ़त का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। रूस के उद्योगपतियों एवं उद्यमियों के संघ के उपाध्यक्ष ने तो बताया है कि रूस को 50 लाख कुशल श्रमिकों की आवश्यकता है और भारत रूस की इस कमी को पूरा करने में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। आज इजराइल भी, विशेष रूप से हम्मास के साथ हुए संघर्ष के बाद से, निर्माण के क्षेत्र में कुशल श्रमिकों की कमी से जूझ रहा है और भारत की ओर बहुत आशाभारी नजरों से देख रहा है। इजराईल ने भारत से एक लाख श्रमिकों को उपलब्ध कराने हेतु आग्रह किया है। इजराईल ने भारत के साथ इस सम्बंध में एक द्विपक्षीय रूपरेखा करार भी किया है। भारतीय संसद में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, इस करार के अंतर्गत, 1 जुलाई 2025 तक 6,774 भारतीय कामगारों को इजराईल भेजा जा चुका है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इजराईल भेजे जाने वाले श्रमिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ताकि उत्तर प्रदेश से अधिकतम युवाओं को इजराईल भेजकर उन्हें वहां पर आसानी से रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के बीच 29-30 अगस्त, 2025 को जापान में हुई बैठक में भारत और जापान के बीच रणनीतिक सहयोग की दिशा में एक दूरदर्शी मार्ग प्रशस्त किया है और दोनों देशों के बीच अगले दशक के लिए एक व्यापक संयुक्त विजन की नींव रखी गई है। जापान ने आगामी दस वर्षों में भारत में अपने निवेश को 2024 के स्तर, लगभग 4,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर, से बढ़ाकर, 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर (10 लाख करोड़ जापानी येन) करने की प्रतिबद्धता दिखाई है। पूंजी के प्रवाह के साथ ही, जापान एवं भारत ने एक पीपल टू पीपल आदान प्रदान कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाने की बात कही है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य है कि जापान की प्रौढ़ हो रही आबादी के चलते वहां के संरचनात्मक श्रमबल के क्षेत्र में कमी को कम करने और भारत के डेमोग्राफिक डिवीडेंड का लाभ उठाने के लिए आने वाले 5 वर्षों में जापान में 5 लाख भारतीय छात्रों और श्रमिकों को भेजने के लक्ष्य को लेकर दोनों देश काम करेंगे। जापान, भारतीय नर्सों के लिए भी अवसर गढ़ने का प्रयास कर रहा है क्योंकि वहां चिकित्सा के क्षेत्र में चिकित्सकों एवं नर्सों की भारी कमी है, जबकि जापान में बुजुर्गों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है।

दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के लिए अधिक से अधिक ऋण देने के दिए निर्देश

'कोंडागांव। छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने जिले के उन दिव्यांगजनों से मुलाकात की, जिन्होंने स्वरोजगार के लिए निगम से ऋण लेकर समय पर उसका भुगतान किया है। इस दौरान उन्होंने कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना से जिले के अधिक से अधिक दिव्यांगजनों को स्वरोजगार हेतु ऋण लेने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। अध्यक्ष कावड़िया ने कहा कि जो हितग्राही समय पर ऋण का भुगतान करेंगे, उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही जिस व्यवसाय के लिए ऋण प्रदान किया जाएगा, उससे संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि व्यवसाय संचालन में किसी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने बताया कि हितग्राहियों को व्यवसाय के लिए आवश्यक उत्पाद उपलब्ध कराए जाएंगे तथा उनके उत्पादों के बिक्री हेतु बाजार की व्यवस्था भी की जाएगी। इस दौरान जिले के गणेश मलपारख, जिन्होंने किराना दुकान के लिए पांच लाख रुपये का ऋण लिया है, तथा सोनी कटारिया, जिन्होंने कपड़े की दुकान के लिए 95 हजार रुपये का ऋण लिया है, द्वारा समय पर किस्त जमा किए जाने पर उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप नारियल एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं फरसगांव निवासी सातो यादव को किराना दुकान के व्यवसाय के लिए शीघ्र ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग की अधिकारी ललिता लकड़ा सहित अन्य अधिकारी एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

एनएमडीसी किरन्दुल के सहयोग से रेलवे फुटवेयर से शिव मंदिर मार्केट तक सीसी सड़क निर्माण कार्य शुरू

किरंदुल। किरन्दुल नगर के विकास एवं नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए रेलवे फुटवेयर से शिव मंदिर मार्केट तक सीसी सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया हैं।यह कार्य एनएमडीसी के सहयोग से किया जा रहा हैं,जिससे लंबे समय से चली आ रही क्षेत्रवासियों की मांग अब पूरी होने जा रही हैं।यह सड़क मटन मार्केट के पास स्थित शिव मंदिर से रेलवे फुटवेयर तक फैली हुई हैं, जो क्षेत्र का प्रमुख आवागमन मार्ग हैं।इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ डीएवी स्कूल के छात्र-छात्राएं विद्यालय आने-जाने के लिए उपयोग करते हैं। अब तक सड़क कच्ची होने के कारण बरसात के दिनों में यहां भारी कीचड़ और जलभराव की स्थिति बन जाती थी,जिससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता था।स्थानीय लोगों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने एनएमडीसी के अधिशासी निदेशक रविन्द्र नारायण को अवगत कराया। जनहित को प्राथमिकता देते हुए एनएमडीसी प्रबंधन द्वारा सड़क निर्माण के लिए सहमति प्रदान की गई। इसी क्रम में दिनांक 24 दिसंबर 2025 को नगर पालिका अध्यक्ष ने एनएमडीसी सिविल विभाग के अधिकारी महेश समेटा के साथ संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क की वर्तमान स्थिति, तकनीकी पहलुओं एवं निर्माण प्रक्रिया पर चर्चा की गई।इसके पश्चात आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर दिनांक 29 दिसंबर सोमवार सीसी सड़क निर्माण कार्य विधिवत रूप से प्रारंभ कर दिया गया। सीसी सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात क्षेत्रवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से स्कूली बच्चों को सुरक्षित एवं सुगम मार्ग उपलब्ध होगा,वहीं बरसात के मौसम में कीचड़ और जलभराव की समस्या से स्थायी निजात मिलेगी। यह सड़क निर्माण किरंदुल नगर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा हैं।

प्रदेश स्तरीय अधिवेशन में सम्मानित हुई साहित्यकार अनामिका संजय अग्रवाल

सक्ती। प्रतिष्ठित साहित्यकार अनामिका संजय अग्रवाल को भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रदेश स्तरीय अधिवेशन में साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि एवं विभिन्न पत्रिकाओं के सफल संपादन के लिए प्रादेशिक मंच पर सम्मानित किया गया, इस अवसर पर जहां छत्तीसगढ़ प्रदेश की दिग्गज सामाजिक हस्तियां मौजूद थी तो वहीं अनामिका संजय अग्रवाल की इस उपलब्धि पर उपस्थित सभी सदस्यों ने मंच के माध्यम से प्रसन्नता करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी,अखिल भारतीय भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन का अरुणोदय अधिवेशन सम्पन्न हुआ है, इस दौरान खरसिया शाखा एवं छत्तीसगढ प्रांत की साहित्य प्रमुख अनामिका संजयअग्रवाल मुस्कान काव्य कलश कला एवं साहित्य मंच के साथ बहुत सारे साहित्यिक मंचो से जुड़ी हुई है। अनामिका अग्रवाल के द्वारा दो एकल काव्य संग्रह की लेखिका के रूप में अग्र अलंकरण प्राप्त करके अपनी तीसरी एकल संग्रह उड़ान ख्वाबों की का विमोचन अपनी समिती के अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजू सरावगी की उपस्थिती के कराकर इन पत्रिकाओं के संपादन का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

बस्तर आईजी ने पुनर्वास केन्द्र का निरीक्षण कर पुनर्वसित व्यक्तियों से की भेंट

35 पुनर्वासितों को स्मार्टफोन एवं प्रशिक्षण किट का वितरण

कोण्डागांव। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने पुना मार्गेमरू पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल अंतर्गत ग्राम देवखरगांव में संचालित पुनर्वास केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में रह रहे पुनर्वासित व्यक्तियों से संवाद कर प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं शासकीय योजनाओं के लाभ की जानकारी ली। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में 35 पुनर्वासित व्यक्तियों को स्मार्टफोन एवं प्रशिक्षण किट का वितरण किया गया। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने पुनर्वासित व्यक्तियों से चर्चा करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि हिंसा का मार्ग छोड़ चुके लोगों को कौशल प्रशिक्षण एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनें। उन्होंने पुनर्वासितों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण अवधि का पूरे उत्साह और लगन के साथ उपयोग करें तथा यहां से सीखकर जीवन को बेहतर बनाने के साथ-साथ अपने गांवों तक भी पहुँचाएं। उन्होंने विकास के मार्ग को अपनाने के लिए पुनर्वासित व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने पुनर्वास केन्द्र में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि शासन का उद्देश्य है कि प्रशिक्षण उपरांत पुनर्वासित व्यक्ति स्वरोजगार के माध्यम से अपने परिवार की जीविकोपार्जन में स्वयं सक्षम हो सके। पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा ने पुना मार्गेमरू पुनर्वास से पुनर्जीवन योजना के तहत विभिन्न ट्रेड में दिए जा रहे कौशल प्रशिक्षण एवं शासकीय योजनाओं से जोड़े जाने की प्रक्रिया की जानकारी दी।

राधा बघेल ने 67 क्विंटल धान का किया विक्रय

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप जिले में किसानों को अपनी मेहनत से उपजाए गए धान को समर्थन मूल्य पर बेचने से आर्थिक सशक्तिकरण मिल रहा है, जिससे वे खेती-किसानी को और सुदृढ़ बना पा रहे हैं। कोण्डागांव विकासखंड के ग्राम मसोरा निवासी महिला किसान राधा बघेल ने बताया कि उन्होंने इस खरीफसीजन में अपनी 3 एकड़ कृषि भूमि में उत्पादित 67 क्विंटल धान का विक्रय किया है। धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे अपने खेत में किये गये बोर खनन (बोरवेल) का भुगतान करेंगी, जिससे सिंचाई की सुविधा में वृद्धि होगी और आगामी रबी मौसम में मक्के की खेती कर डबल फसल प्राप्त करेंगी। राधा बघेल ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस व्यवस्था से किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल रहा है और वे आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं।

एसआईआर ईआरओ ने राजनीतिक दलों को दी दावा आपत्ति की जानकारी

कोंडागांव। अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय कोंडागांव में मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कोंडागांव अजय उरांव द्वारा राजनीतिक दलों की बैठक ली गई। बैठक में बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 83-कोण्डागांव के कुल 269 मतदान केन्द्रों के मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसंबर 2025 को वेरी निदृष्ट स्थानों पर किया गया है। मतदाताओं से दिनांक 23 दिसंबर से 22 जनवरी 2026 तक दावा व आपत्ति लिये जा रहे हैं। इस अवधि में नो मैपिंग के प्रकरण की सुनवाई हेतु 1767 नोटिस जनरेट किये गये हैं, जिन्हें तामिली हेतु बीएलओ को भेजा गया है तथा कोण्डागांव विधानसभा के अन्तर्गत नो मैपिंग नोटिस की सुनवाई तिथि 05 जनवरी 2026 से प्रारंभ हो जाएगा। बैठक में प्रतिनिधियों को फार्म 6, 7, 8 की जानकारी और 9,10, 11, 11।, 11ठ प्रारूप की प्रति उपलब्ध कराई गई। साथ ही राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची का पुनः अवलोकन करने का सुझाव दिया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर रश्मि पोया, नायब तहसीलदार नरेंद्र सिंह सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सकरेली खुर्द में अवैध महुआ शराब पर आबकारी विभाग की छापामार कारवाई

सक्ती। कलेक्टर के निर्देश और प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में वार्ड नंबर 10 सकरेलीखुर्द थाना नगरदा में दिलेश कुमार पिता रेश्म लाल भारद्वाज के द्वारा भारी मात्रा में महुआ शराब बेचने की मुखबिर सूचना पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी आशीष उप्पल ने पहले छद्म खरीददार से महुआ शराब की खरीदारी कराई , महुआ शराब बिक्री की पुष्टि होने पर दिलेश कुमार से घर में छिपा कर रखा कर रखा लीटर क्षमता की 3 प्लास्टिक बोतल में भरा 6 लीटर बरामद किया गया। आरोपिया के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) क 34(2) 59 के तहत प्रकरण दर्ज कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया।आबकारी वृत्त सक्ती द्वारा कायम प्रकरण में फरार आरोपी करमसिंह पिता जगेश्वर ग्राम - टेनपाभाटा की पतासाजी कर गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश कर जेल दाखिला किया गया। उपरोक्त कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी आशीष उप्पल की टीम में प्रधान आरक्षक आबकारी रघुनाथ पैकरा, विष्णु कौशिक, बसंती चौधरी , परस राम कहरा और नगर सैनिकों का सराहनीय योगदान रहा।

किरंदुल में बेनिफिसिएशन प्लांट क्षमता विस्तार पर जनसुनवाई संपन्न

किरंदुल। औद्योगिक विकास को लेकर आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया ने बेनिफिशिएशन प्लांट की क्षमता विस्तार योजना पर आयोजित जनसुनवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति में हुई जनसुनवाई के दौरान परियोजना से जुड़ी जानकारियां साझा की गई और पर्यावरण, उत्पादन प्रक्रिया व क्षेत्रीय विकास से जुड़े बिंदुओं पर चर्चा हुई। बेनिफिसियेशन प्लांट की क्षमता बढ़ाने के प्रस्ताव पर पर्यावरणीय अनुमति के लिए प्रभावित गांवों के ग्रामीणों को अपनी राय और सुझाव रखने का अवसर मिला।इस दौरान ग्रामीण प्रतिनिधियों ने सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, स्वच्छ पेय जल, ग्रामीण क्षेत्र में वृहद वृक्षारोपण, स्थानीय बेरोजगारों को अधिक से अधिक रोजगार सुविधा मुहैया कराने की मांग रखी जिन्हें विधिवत दर्ज किया गया। पूरी प्रक्रिया तय नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी की गई। कार्यक्रम के दौरान कंपनी की ओर से स्पष्ट किया गया कि प्रस्तावित कार्य केवल पहले से संचालित बेनिफिशिएशन प्लांट की क्षमता बढ़ाने से संबंधित है। वर्तमान में 8 मिलियन टन प्रति वर्ष की क्षमता वाले प्लांट को 12 मिलियन टन प्रति वर्ष तक बढ़ाया जाएगा, जिसके लिए किसी नई जमीन की आवश्यकता नहीं होगी। सभी कार्य मौजूदा प्लांट परिसर के भीतर ही किए जाएंगे और विस्तार कार्य में सभी कानूनी व पर्यावरणीय नियमों का पालन किया जाएगा।सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के बीच हुई जनसुनवाई में स्थानीय ग्रामीण, प्रभावित क्षेत्रों के लोग, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही।

अबूझमाड़ क्षेत्र के बच्चों को कराया गया शैक्षणिक एवं जागरूकता भ्रमण

नारायणपुर। जिले के नक्सल प्रभावित अबूझमाड़ क्षेत्र के बच्चों को शैक्षणिक एवं जागरूकता भ्रमण के अंतर्गत विकसित भारत की अवधारणा से परिचित कराने के उद्देश्य से 45वीं वाहिनी, भा0ति0सी0पु0बल द्वारा क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य यह था कि अबूझमाड़ के ये बच्चे देश के विकास, शांति, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से स्वयं को जोड़ सकें तथा अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा स्वयं तय कर सकें। इस शैक्षणिक दौरे में कुल 20 बच्चों ने भाग लिया, जिनमें 10 बालक एवं 10 बालिकाएँ शामिल थीं। बच्चों को इस क्षेत्र के विभिन्न विकासात्मक पहलुओं से अवगत कराया गया, जिससे उनमें आत्मविश्वास, राष्ट्रभक्ति और सकारात्मक सोच का संचार हो सके। इस प्रेरणादायी यात्रा का समापन चोटाडोंगर सीओबी में किया गया, जहाँ समापन समारोह के अवसर पर प्रकाश भूषण झा, सेकंड इन कमांडेंट, 45वीं वाहिनी द्वारा सभी बच्चों का आत्मीय स्वागत किया गया। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि– आज आप सीखने आए हैं, कल यही ज्ञान अबूझमाड़ को बदलने का आधार बनेगा। बंदूक नहीं, किताब ही इस क्षेत्र का भविष्य लिखेगी। इस अवसर पर प्रकाश भूषण झा द्वारा सभी प्रतिभागी बच्चों को पेन एवं डायरी भेंट की गई, जिन पर अंकित संदेश था –बदलता अबूझमाड़, अपना परिवार जिसका मूल उद्देश्य बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता और अपने क्षेत्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था।

अपने संदेश में उन्होंने कहा

यही कलम आपकी और अबूझमाड़ की किस्मत बदलेगी। आपका ईमानदार प्रयास ही अबूझमाड़ के विकास और नक्सल उन्मूलन की सबसे बड़ी ताकत बनेगा। इस कार्यक्रम के दौरान एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी द्वारा भी बच्चों को संबोधित करते हुए कहा गया। आप सब अबूझमाड़ का भविष्य हैं। जब शिक्षा आगे बढ़ेगी, तो हिंसा खुद-ब-खुद पीछे हटेगी। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों एवं क्षेत्रवासियों द्वारा आईटीबीपी के इस सराहनीय, मानवता-प्रधान एवं राष्ट्रनिर्माण हेतु किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया गया तथा यह विश्वास दिलाया गया कि अबूझमाड़ को विकसित, शांत और नक्सल-मुक्त बनाने के लिए वे सभी आईटीबीपी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे।

कलेक्टर नम्रता जैन ने सड़क निर्माण कार्य के प्रगति का छेरीबेड़ा से नारायणपुर तक किया सघन निरीक्षण

नारायणपुर। कलेक्टर नम्रता जैन ने छेरीबेड़ा से भाटपाल, बेनूर, गोहड़ा, रेमावण्ड़, नेलवाड़, देवागांव, गढ़बेंगाल और नारायणपुर तक निर्माणाधीन सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग के एसडीओ को सड़क निर्माण कार्यों का सतत् निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और गुणवत्ता से किसी प्रकार समझौता नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सर्वप्रथम भाटपाल में चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। इसके पश्चात् उन्होंने सड़क निर्माण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया, जहां सड़क में उपयोग होने वाली सामग्रियों का परीक्षण किया जाता है। कलेक्टर जैन ने भाटपाल के प्लांट में कंक्रीट क्यूब का परीक्षण किया, जो सफल पाया गया। इसके साथ ही उन्होंने बैच मिक्स डामर प्लांट एवं बैच मिक्स कंक्रीट प्लांट का भी निरीक्षण किया। सड़क निर्माण प्रयोगशाला के निरीक्षण के पश्चात कलेक्टर ने भाटपाल से बेनूर तक 22 से 32 किलोमीटर क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का जायजा लेते हुए मौके पर मौजूद निर्माण एजेंसी को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क निर्माण के प्रोजेक्ट जनरल मैनेजर प्रेमप्रकाश सिंह से जानकारी लेते हुए कहा कि सड़क के एक साइड पहले डब्ल्यूएमएम कार्य पूर्ण कर शीघ्र डीबीएम कार्य किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर जैन ने निर्देश देते हुए कहा कि माइंस के भारी वाहनों का संचालन रात्रि समय में किया जाए, ताकि दिन में सड़क निर्माण कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सकें। साथ ही प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्माण कार्य प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक नियमित रूप से कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सड़क निर्माण कार्य किसी भी स्थिति में मार्च 2026 के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

जिले में अब तक 3.11 लाख टन धान की खरीदी

बिलासपुर। धान खरीदी अभियान के अंतर्गत अब तक जिले में 3.11 लाख मीटरिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। खरीदे गये धान की कीमत लगभग 739 करोड़ रूपये है। मार्कफेड से मिली जानकारी के अनुसार गत वर्ष के इस तिथि तक धान खरीदी की तुलना में 79 प्रतिशत धान की आवक हो चुकी है। 30 दिसम्बर को 15 हजार 464 मीटरिक टन धान की खरीदी की गई। समिति द्वारा खरीदे गये धान में से 3.06 लाख मी.टन धान को कस्टम मिलिंग के लिए राईस मिलर्स को डीओ जारी कर दिया गया है। डीओ का प्रतिशत कुल खरीदे गये धान का 98 फीसदी है। इसमें से 2 लाख 48 हजार मीटरिक टन धान का उठाव भी किया जा चुका है। जारी डीओ के विरूद्ध 81 प्रतिशत धान का उठाव राईस मिलरों द्वारा किया जा चुका है। मालूम हो कि जिले में 1.33 लाख किसानों ने धान बेचने के लिए अपना पंजीयन कराया है। पंजीकृत किसानों में से लगभग 61 हजार किसानों ने अपने उपज का विक्रय कर लिया है। किसानों ने अपना संपूर्ण धान बेचने के उपरांत लगभग 840 हेक्टेयर रकबे का समर्पण किया है।

स्कूल-कॉलेजों में मतदाता जागरूकता के लिए आयोजित होंगे कार्यक्रम

बिलासपुर। जिले के युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष शिविर एवं विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल ने इस संबंध में कॉलेज के प्राचार्यों एवं जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखा है। जिसके अनुसार हायर सेकेण्डरी स्कूलों एवं महाविद्यालयों में शिविर लगाकर छात्र-छात्राओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए फॉर्म 6 भरवाये जाएंगे। नुक्कड़ नाटक आदि स्वीप गतिविधियों के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण एवं मतदान प्रक्रिया के प्रति जागरूक करेंगे। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए विभिन्न नवाचार के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया जाएगा। पूर्व में गठित मतदाता साक्षरता क्लबों को पुन: ऐक्टिवेट किया जाएगा। लोगों को जागरूक करने के लिए जिले द्वारा संधारित अधिकारिक सोशल मीडिया के माध्यम से नियमित रूप से मतदाता जागरूकता पर आधारित कंटेंट साझा किये जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने युवाओं से अपील है कि वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़वाएं और अपने मताधिकार के महत्व को समझें।

तहसील कार्यालय के शिफ्टिंग में आ रही अड़चन

बिलासपुर। तहसील कार्यालय के भवन निर्माण के लिए फ्लिहाल तहसील कार्यालय के अस्थाई शिफ्टिंग में अड़चन आ रही है। कमिश्नर कार्यालय भवन के नये भवन में शिफ्टिंग के बाद पुराना भवन खाली हो चुका है लेकिन तहसील के नए भवन की मंजूरी नहीं होने से मामला आगे नहीं बढ़ पाया है। नए तहसील भवन की मंजूरी के बाद ही तहसील कार्यालय को ओल्ड संभागायुक्त कार्यालय में शिफ्ट होने की बात कही जा रही है।बिलासपुर तहसील कार्यालय के नए भवन के लिए छह करोड़ रुपए की राशि बजट में शामिल है। अब तक संभागायुक्त कार्यालय के नए भवन में शिफ्टिंग का रास्ता देखा जा रहा था ताकि पुराना कार्यालय भवन खाली होने के बाद तहसील कार्यालय भवन वहां शिफ्ट हो सके और तहसील कार्यालय के नए भवन का काम शुरू हो सके। इधर पुराना कार्यालय भवन तो खाली हो चुका है लेकिन राशि मंजूर नहीं होने से मामला अटक गया है। तहसील कार्यालय के नए भवन के लिए राशि मंजूर होने के बाद ही तहसील कार्यालय को वहां शिफ्ट किया जा सकेगा। इसके पूर्व लोक निर्माण विभाग ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। तहसील कार्यालय के नए भवन की डिजाइन भी बना ली गई है।

भाजपा द्वारा मनरेगा का नाम बदलना राष्ट्रपिता का अपमानः सांसद ज्योत्सना

कोरबा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने के विरोध में रविवार को कोरबा जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) ने कटघोरा विधानसभा के ग्राम जवाली में एक दिवसीय विशाल धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने किया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए सांसद ज्योत्सना महंत ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने बापू के नाम पर ग्रामीणों, किसानों और महिलाओं को रोजगार की कानूनी गारंटी दी थी। सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने इसे कानून बनाकर गरीबों को हक दिया, लेकिन भाजपा अब बापू का नाम हटाकर उनका अपमान कर रही है। भाजपा केवल 'मोदी की गारंटी' की बात करती है, जबकि कांग्रेस ने काम की गारंटी दी थी। सांसद महंत ने अपनी सक्रियता का परिचय देते हुए बताया कि शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में मनरेगा का नाम बदलने के खिलाफसड़क पर उतरने का निर्णय लिया गया था।

मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन की अध्यक्षता में मंडल स्तरीय प्रेम एवं अन्य पिछड़ा वर्ग रेलवे कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक संपन्न....

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में आज दिनांक 31 दिसम्बर 2025 को मंडल स्तर पर प्रेम बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य रेलवे प्रबंधन एवं मान्यता प्राप्त यूनियनों/एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों के मध्य विचार-विमर्श के माध्यम से संगठन की उत्पादकता एवं कार्यप्रणाली में गुणात्मक सुधार लाना है। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने की। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रास्ट्रक्चर) श्री जे. एस. मीना, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री के. श्रीनिवास सहित मंडल के शाखाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का आयोजन दो सत्रों में किया गया। प्रथम सत्र के बैठक में मान्यता प्राप्त संगठन मजदूर कांग्रेस के मंडल समन्वयक श्री विजय अग्निहोत्री एवं अन्य पदाधिकारी, अनुसूचित जाति एवं जनजाति रेलवे कर्मचारी एसोसिएशन के सचिव श्री प्रभात पासवान एवं अन्य पदाधिकारी, अन्य पिछड़ा वर्ग रेलवे कर्मचारी एसोसिएशन के मंडल सचिव श्री एस मधुसूदन राव एवं अन्य पदाधिकारी, प्रमोटी आफिसर्स एसोसिएशन के सचिव श्री अजय कुमार सिंह, आफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जे एस मीना, सचिव डॉ. अंशुमान मिश्रा भी उपस्थित थे ।प्रथम सत्र के बैठक में कर्मचारियों के स्वास्थ्य सुविधाओं, आवास सुविधा, कार्यस्थलों में बेहतर सुविधाएँ, आईटी आवश्यकताएँ तथा इस संदर्भ में प्रशिक्षण जैसे विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गई तथा इन सभी मुद्दों पर नियमानुसार उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया द्वितीय सत्र के बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग रेलवे कर्मचारी एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष श्री एच कृष्णा राव, सचिव श्री एस मधुसूदन राव एवं अन्य पदाधिकारी द्वारा कर्मचारियों से संबंधित मूलभूत शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु अनेक मुद्दे प्रस्तुत किए गए। विभागीय टिप्पणियों के आधार पर सभी विषयों पर गहन चर्चा की गई। प्रमुख रूप से पदोन्नति, प्रशिक्षण, स्थानांतरण, कार्यस्थल की सुविधाएँ तथा कर्मचारियों को प्राप्त संवैधानिक अधिकारों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने संगठनों की बातों को गंभीरता से सुना तथा उचित एवं समयबद्ध कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि रेलवे प्रशासन कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु सदैव प्रतिबद्ध है तथा सभी वर्गों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करना प्रशासन की प्राथमिकता है। साथ ही, रेलवे द्वारा किए जा रहे विकासात्मक कार्यों में संगठनों के सहयोग की सराहना भी की। बैठक सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई। बैठक का समन्वयन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. अंशुमान मिश्रा तथा संचालन सहायक कार्मिक अधिकारी रंजन कुमार रुखैयार द्वारा किया गया।

कार्रवाई में 4.80 लाख का अवैध धान जब्त किया गया

बिलासपुर। जिला प्रशासन की अवैध धान संग्रहण एवं परिवहन के खिलाफकार्रवाई का सिलसिला जारी है। इस क्रम में कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर जांच टीम ने तीन स्थलों पर छापामार कार्रवाई कर 4.80 लाख रूपए के अवैध धान जब्त किये। आरोपियों के विरूद्ध मण्डी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जिला खाद्य नियंत्रक अमृत कुजूर ने बताया कि तीन संस्थाओं में 390 बोरी (155 क्विंटल) धान बरामद किया गया है। राजस्व विभाग के नेतृत्व में खाद्य एवं मण्डी विभाग के अधिकारियों से बनी टीम द्वारा छापे की कार्रवाई की गई। इनमें कृषि उपज मंडी समिति क्षेत्र अंतर्गत मुरकुटा के एक व्यापारी से 63 बोरी (25 क्विंटल) धान, कृषि उपज मंडी समिति कोटा क्षेत्र अंतर्गत दिनेश राज लोरमी के वाहन से 100 बोरी (40 क्विंटल) धान और कर्मा ट्रेडर्स चंगोरी कोटा के संस्थान से 227 बोरी (90 क्विंटल) धान शामिल हैं। अवैध धान संग्रहण एवं परिवहन के विरूद्ध कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। अब तक जिले में अवैध धान संग्रहण एवं परिवहन के कुल 56 प्रकरण तैयार किये गए हैं। इनसे लगभग 36 लाख 83 हजार 304 रूपये मूल्य के 304 क्विंटल धान बरामद किये गए हैं।

दावा-आपत्ति की प्रगति की जानकारी राजनीतिक दलों को बैठक लेकर दी गई

नाम जुड़वाने अब तक 1037 आवेदन

बिलासपुर। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अर्हता तिथि निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्क्रुक्र) 1 जनवरी 2026 के संदर्भ में जिले के सभी छ: विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक अधिकारियों के द्वारा आज सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक आयोजित कर दावा आपत्तियों की सूची उपलब्ध करा दी गई है। राजनैतिक दलों को संचयी एवं बढ़ते क्रम में साप्ताहिक सूची सौंप दी गई है। जिसके विवरण के अनुसार फार्म - 6 नये निर्वाचक के रूप में नाम शामिल करने के लिए प्राप्त कुल रजिस्ट्रीकरण दावा आपत्तियों की संख्या 1037 है। फार्म 7 में विलोपन के लिए प्राप्त कुल दावा आपत्तियों की संख्या शून्य है। फार्म 8 स्थानांतरण और त्रुटि सुधार हेतु प्राप्त कुल दावा आपत्तियों की संख्या शून्य है।बैठक में इंडियन नेशनल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी एवम बहुजन समाज पार्टी, मार्कसवादी कम्यूनिस्ट पार्टी एवं छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस (जे) के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे ।

स्वास्थ्य शिविर से लौटते समय डॉक्टर पर हमला, मामला दर्ज

कोरबा । जिले के गेवरा-दीपका क्षेत्र में स्थित नेहरू शताब्दी अस्पताल (एनसीएच) गेवरा के चिकित्सक डॉ. अर्पण विश्वास पर सोमवार को हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर डॉ. विश्वास ने हरदीबाजार थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रलिया में सीएसआर के तहत एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर के दौरान इलाज के लिए पहुंचे गांव के रामनारायण पटेल को डॉ. अर्पण विश्वास ने लाइन में खड़े होकर उपचार कराने की बात कही। इस पर रामनारायण पटेल ने आपत्ति जताई और कथित रूप से बाद में देख लेने की धमकी दी। आरोप है कि शिविर समाप्त होने के बाद जब डॉक्टर, अस्पताल स्टाफ और एम्बुलेंस कर्मी वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में रामनारायण पटेल, नीरज पटेल और उनके दो अन्य साथियों ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने डॉ. अर्पण विश्वास के साथ गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों से मारपीट की। इस हमले में डॉक्टर की आंख, सीने और पीठ में चोटें आई हैं। घटना के बाद डॉक्टर और स्टाफकिसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से निकले और दीपका थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई। हरदीबाजार थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115 (2), 351(3) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना से चिकित्सा कर्मियों में रोष व्याप्त है। नेहरू शताब्दी अस्पताल के सीएमएस डॉ. कल्याण सरकार ने मानव संसाधन स्टाफ ऑफिसर, गेवरा को भी इस संबंध में लिखित शिकायत सौंपी है।

दिसम्बर में सेवानिवृत्त हो रहे मंडल रेल परिवार के 20 सदस्यों को दी गई भावभीनी विदाई.....

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत 20 रेल परिवार के सदस्य माह दिसम्बर 2025 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त हुये ।मंडल कार्मिक सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे समस्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई । इस अवसर पर सहायक कार्मिक अधिकारी श्री रंजन कुमार रुखैयार एवं सहायक कार्मिक अधिकारी श्री भास्कर गुहा द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को बंदोबस्त भुगतान से संबंधित समस्त दस्तावेज,सेवा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं सेवा मैडल आदि प्रदान किया गया इस दौरान मुख्य कार्यालय अधीक्षक (आईटी) श्री सेवक रजक द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उम्मीद कार्ड (मेडिकल) व बंदोबस्त से संबन्धित नियमों से अवगत कराया गया 7 समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन, मंडल कल्याण निरीक्षक एवं कार्मिक निपटारा शाखा के कर्मचारी भी उपस्थित रहे ।मंडल के सेवानिवृत्त हो रहे 20 रेल परिवार के सदस्यों में परिचालन विभाग से 02, इंजीनियरिंग विभाग से 03, विद्युत विभाग से 09, मेकेनिकल विभाग से 04, सिग्नल व दूरसंचार विभाग से 01 तथा वाणिज्य विभाग से 01 कर्मचारी शामिल हैं ।इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी गौरवशाली रेल सेवा के लिए बधाई दी तथा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु होने की कामना की गई

टिकट चेकिंग में बिलासपुर मंडल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

- 89 प्रतिशत ग्रोथ के साथ भारतीय रेलवे का चौथा सर्वश्रेष्ठ ग्रोथ वाला मंडल बना बिलासपुर
- टिकट चेकिंग प्रक्रिया में भी सटीकता एवं जवाबदेही सुनिश्चितता हेतु टिकट चेकिंग कर्मचारियों को उपलब्ध कराये गए अत्याधुनिक बॉडी वॉर्न कैमरा एवं वॉकी-टॉकी का रहा विशेष योगदान

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा टिकट चेकिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गई है। मंडल रेल प्रबंधक, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के कुशल निर्देशन में मंडल वाणिज्य विभाग द्वारा स्टेशनों एवं ट्रेनों में निरंतर और सघन टिकट चेकिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। इन अभियानों का मुख्य उद्देश्य टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करना, बिना टिकट यात्रा पर प्रभावी रोक लगाना तथा यात्रियों को रेलवे नियमों के प्रति जागरूक करना है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के प्रथम आठ माह (अप्रैल 2025 से नवम्बर 2025) के दौरान मंडल वाणिज्य विभाग के अधिकारियों के नेतृत्व में टिकट चेकिंग स्टाफद्वारा व्यापक एवं सघन टिकट जांच की गई। इसके परिणामस्वरूप मंडल ने टिकट चेकिंग से 12.70 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो कि वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में 89 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। इस शानदार उपलब्धि के साथ बिलासपुर मंडल ने टिकट चेकिंग अर्जन में 89 प्रतिशत ग्रोथ दर्ज करते हुए भारतीय रेलवे के चौथे सर्वश्रेष्ठ ग्रोथ वाले मंडल के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है। उल्लेखनीय है कि पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 की समान अवधि में मंडल द्वारा टिकट चेकिंग से 6.80 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया था। इसके मुकाबले वर्तमान वित्तीय वर्ष में दर्ज की गई वृद्धि मंडल के वाणिज्य विभाग की सुदृढ़ रणनीति, प्रभावी निगरानी, टिकट चेकिंग की प्रक्रिया में भी सटीकता एवं जवाबदेही सुनिश्चितता हेतु टिकट चेकिंग कर्मचारियों को उपलब्ध कराये गए अत्याधुनिक बॉडी वॉर्न कैमरा एवं वॉकी-टॉकी एवं कर्मठ कार्यप्रणाली को दर्शाती है। यह उपलब्धि वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में मंडल के वाणिज्य अधिकारियों एवं टिकट चेकिंग स्टाफ की टीम वर्क, लगनशीलता एवं समर्पण का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

मटके में मिला मासूम का शव,फैली सनसनी

कोरबा। जिले के दर्री थाना क्षेत्र के नहर के तीन नंबर गेट पर सोमवार दोपहर सफाई के दौरान एक मटके में मासूम बच्चे का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, सफाईकर्मी नहर की सफाई कर रहा था, तभी उसने एक मटका देखा जिस पर सफेद कपड़ा बंधा हुआ था। शुरू में उसे लगा कि मटके में पूजा का सामान या अस्थियां हैं, लेकिन जब उसने मटका खोला तो उसके अंदर बच्चे का शव था। सूचना मिलने पर दर्री थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर जांच शुरू की। घटना स्थल पर मौजूद गंगा राम नामक व्यक्ति ने पुलिस की मदद की और शव को सुरक्षित निकालने में सहयोग किया। थाना प्रभारी ने बताया कि फ्लिहाल शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया है, लेकिन मामले की गहन जांच जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह किसी अज्ञात व्यक्ति की करतूत हो सकती है, जिसने बच्चे की मौत के बाद शव को मटके में डालकर नहर में फेंक दिया। मटका नहर में तैरते हुए साईफन में फंस गया, जिससे यह घटना सामने आई। आसपास के लोग पुलिस से अपील कर रहे हैं कि वास्तविक कारण का पता लगाया जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मौके पर उपस्थित लोगों के बयान दर्ज किए। प्रारंभिक जांच में पुलिस यह भी देख रही है कि मासूम की पहचान कैसे की जा सकती है और उसकी मौत का कारण क्या रहा।

साल 2026 का पहला प्रदोष व्रत

प्रदोष व्रत का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। हर माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर प्रदोष व्रत करने का विधान होता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है और भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा से जातक को जीवन में हर प्रकार के सुखों की प्राप्ति हो सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि साल 2026 का पहला प्रदोष व्रत किस दिन रखा जाएगा। प्रदोष व्रत का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि भी जानें...

प्रदोष व्रत 2026 कब है?

पंचांग के अनुसार, पौष मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि का आरंभ 31 दिसंबर 2025, बुधवार के दिन मध्यरात्रि के बाद 1 बजकर 48 मिनट पर होगा। वहीं, त्रयोदशी तिथि का समापन अगले दिन यानी 1 जनवरी 2026, गुरुवार को रात के समय 10 बजकर 23 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, साल 2026 का पहला प्रदोष व्रत 1 जनवरी को रखा जाएगा। इस दिन प्रदोष काल में भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए।

प्रदोष व्रत का शुभ मुहूर्त

साल 2026 का पहला प्रदोष व्रत गुरुवार के दिन पड़ रहा है। इस व्रत को करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और भगवान की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। ऐसे में इस दिन शुभ मुहूर्त में शिवजी और माता पार्वती की पूजा जरूर करनी चाहिए। 1 जनवरी, गुरुवार को प्रदोष काल 4 बजकर 55 मिनट से लेकर 6 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। इस अवधि के दौरान यानी प्रदोष काल में भगवान शिव की पूजा करना अत्यंत शुभ रहेगा।

प्रदोष व्रत की संपूर्ण पूजा विधि

1 जनवरी 2026, गुरुवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करना चाहिए। इसके पश्चात, साफ वस्त्र धारण करें और घर के मंदिर में गंगाजल का छिड़काव करें। अब एक चौकी पर साफ वस्त्र बिछाकर भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा या मूर्ति स्थापित करें। फिर, गंगाजल, दूध, दही, बेलपत्र, शहद आदि से शिवलिंग का अभिषेक करें। अगर संभव हो तो इस दिन रुद्राभिषेक करना चाहिए। इससे बेहद पुण्य फल प्राप्त होता है। अब शिवलिंग पर अक्षत, फूल, चंदन, धूप-दीप, नैवेद्य आदि अर्पित करें और फिर, विधि-विधान से पूजा करें। इस दिन 'ओम नमः शिवाय' मंत्र या महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए। इसके बाद, प्रदोष काल में शिवजी और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा व आरती करें। साथ ही, भगवान को प्रसाद का भोग लगाएं।

जनवरी माह के व्रत त्योहार

तिथि	वार	व्रत-त्योहार
1 जनवरी 2026	गुरुवार	गुरु प्रदोष व्रत, रोहिणी व्रत
3 जनवरी 2026	शनिवार	पौष पूर्णिमा, विनायकी चतुर्थी व्रत
6 जनवरी 2026	मंगलवार	सकट चौथ व्रत या तिलकुटा चौथ
13 जनवरी 2026	मंगलवार	लोहड़ी
14 जनवरी 2026	बुधवार	मकर संक्रांति, पोंगल, षटतिला एकादशी
16 जनवरी 2026	शुक्रवार	शुक्र प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि
18 जनवरी 2026	रविवार	मौनी अमावस्या
23 जनवरी 2026	शुक्रवार	बसंत पंचमी
25 जनवरी 2026	रविवार	रथ सप्तमी
26 जनवरी 2026	सोमवार	भीष्म अष्टमी
29 जनवरी 2026	गुरुवार	जया एकादशी
30 जनवरी 2026	शुक्रवार	शुक्र प्रदोष व्रत

धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से से जनवरी 2026 का महीना बेहद खास

जनवरी 2026 का महीना धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बेहद खास माना जाता है। इस महीने की शुरुआत ही भगवान शिव और मां पार्वती को समर्पित प्रदोष व्रत से हो रही है, जो भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। जनवरी के इस महीने में मकर संक्रांति, बसंत पंचमी और सकट चौथ जैसे प्रमुख त्योहार भी आते हैं, जो भारतीय संस्कृति में गहरी धार्मिक और सामाजिक मान्यताओं के साथ जुड़े हुए हैं। साल के पहले महीने में ठंड अपने चरम पर होती है, लेकिन इसके बावजूद लोग इन त्योहारों और व्रतों को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं।

जनवरी 2026 की शुरुआत शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि और रोहिणी नक्षत्र से हो रही है, जबकि यह महीना शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि और पुर्नवसु नक्षत्र के साथ समाप्त होगा। इन विशेष तिथियों और नक्षत्रों के चलते यह महीना धार्मिक गतिविधियों और उत्सवों के लिहाज से बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है।

आई मेकअप के लिए ब्रश की नहीं पड़ेगी जरूरत

ट्राई करें ये स्मार्ट हैक्स

आई मेकअप करने के लिए ब्रश सबसे जरूरी होता है, लेकिन ज्यादातर आईशैडो वगैरह के साथ मिलने वाले ब्रश ठीक तरीके से काम नहीं करते। ऐसे में मार्केट से ब्रश खरीदने पड़ते हैं, लेकिन जब एक या दो बार ही मेकअप करना हो तो कोस्टली ब्रश खरीदना मुश्किल लगता है। ऐसे में ये हैक आपके आई मेकअप को आसान बना सकते हैं और ब्रश की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। बिना ब्रश के भी परफेक्ट आई मेकअप किया जा सकता है। इन चीजों की जरूरत पड़ेगी.

टेप

सबसे पहले आंखों के कॉर्नर पर टेप लगा लें। जिससे आपका आई मेकअप बिल्कुल परफेक्ट शेप और साइज में लगे और किसी भी तरह की गड़बड़ ना हो।

कॉटन का टुकड़ा

अब कॉटन के छोटे टुकड़े को लें और आई मेकअप का बेस लगाएं। अगर आप दो से तीन कलर मिक्स करके बेस लगा रही हैं तो इसके लिए दो से तीन टुकड़े कॉटन की ही जरूरत होगी और महंगे ब्रश का खर्चा बच जाएगा।

कॉटन बड्स की लें मदद

आईशैडो लगाने के बाद विंग्ड आईलाइनर ब्राउन शैडो से लगाने का मन है तो बस ईयर बड्स को लेकर हल्के हाथों से आईज के कॉर्नर पर विंग लगाएं।

उंगलियों की पोर से लगाएं शिमर

इसके बाद उंगलियों की पोर पर हल्का सा ग्लिटर या शिमर लेकर आंखों के ऊपर लगाकर दूसरी उंगली की मदद से रब करें। इससे आईशैडो परफेक्ट तरीके से ब्लेंड हो जाएगा और एक दूसरे का कलर चढ़ने का डर भी नहीं होगा। आप अपनी चारों उंगलियों का इस्तेमाल आसानी से कर सकती हैं।

बस सबसे आखिर में साइड में लगे टेप को निकालकर बाहर कर दें। टेप लगाने से विंग बिल्कुल डिफाइन तरीके से लग पाता है और आई को अट्रैक्टिव लुक देता है।

खाली पेट चना खाने से होते हैं ये चमत्कारिक फायदे

चना और किशमिश काफी लाभकारी माने जाते हैं। खासकर भुना चना सेहत के लिए चमत्कारिक माना जाता है। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। खाली पेट इन्हें खाने से शरीर को कई लाभ मिलते हैं। खाली पेट चना और किशमिश का सेवन सेहत के लिए बेहद लाभकारी हो सकता है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है, बल्कि कई बीमारियों से बचाने में भी सहायक है। अगर आप अपने दिन की शुरुआत एक हेल्दी और एनर्जेटिक तरीके से करना चाहते हैं, तो इस सरल उपाय को अपनाएं। आइए इनके फायदों के बारे में

भुना चना खाने के फायदे

चना प्रोटीन, फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत है। चने में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है और कब्ज की समस्या को दूर करता है। खाली पेट चना खाने से दिनभर एनर्जी बनी रहती है। चना धीमे पचने वाला कार्बोहाइड्रेट है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करता है। यह पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे अनावश्यक स्नैकिंग की आदत कम होती है। चने में कैल्शियम और फॉस्फोरस होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं।

चना और किशमिश खाने के फायदे

डिटॉक्सिफिकेशन:
यह शरीर को टॉक्सिन्स फ्री करता है।

पोषण का बढ़िया स्रोत:
प्रोटीन और विटामिन का संतुलन शरीर की समग्र सेहत के लिए अच्छा होता है।

थकान दूर करना:
सुबह-सुबह यह कॉम्बिनेशन शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है।

हॉर्मोन संतुलन:
चने के नियमित सेवन से महिलाओं में हॉर्मोनल बैलेंस बेहतर होता है।

बालों और त्वचा के लिए फायदेमंद:
चने में मौजूद मिनरल्स बालों को मजबूत बनाते हैं और त्वचा में निखार लाते हैं।

कैसे करें सेवन?

रातभर 7-8 चने और 8-10 किशमिश पानी में भिगोकर रखें। सुबह खाली पेट इन्हें खा लें। नियमित सेवन से कुछ ही दिनों में इसके सकारात्मक प्रभाव दिखने लगेंगे। अगर आपको किसी प्रकार की एलर्जी है, तो इसे खाने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। मात्रा का ध्यान रखें, ज्यादा सेवन से पेट में गैस या अपच हो सकती है।

जानिए किन विटामिन्स की वजह से झड़ते हैं बाल

बहुत से पुरुष हो या महिला, बाल झड़ने की समस्या से हर कोई परेशान है। बाल झड़ने और उनके डैमेज होने के कई कारण हो सकते हैं। लोग हेयर फॉल रोकने के लिए क्या कुछ नहीं करते। कोई तेल लगाता है तो कोई दवाएं खाता है; पर हेयर एक्सपर्ट कहते हैं कि बालों को ठीक करने के लिए उनको अंदर व बाहर से पोषण देना बहुत जरूरी है। इसलिए यह जानना आवश्यक है कि किन विटामिन्स की कमी से बाल झड़ने शुरू होते हैं...

बालों के लिए जरूरी विटामिन्स

विटामिन डी- विटामिन डी की कमी से शरीर में कैल्शियम कम होने लगता है। कैल्शियम और फॉस्फेट बनने में कमी हो तो बालों के विकास में बाधा आ जाती है। इससे बाल कमजोर होने लगते हैं। इसके लिए सुबह की धूप में बैठें।

विटामिन ए- विटामिन ए सीबम का उत्पादन करने में मददगार होता है। अगर शरीर में इसका उत्पादन ना हो या बाधित हो तो स्कैल्प में रूखापन आ जाता है। इसके लिए गाजर, पालक, ब्रोकोली, शकरकंद, अंडे, डेयरी उत्पादों का सेवन कर सकते हैं।

बी कॉम्प्लेक्स- ये विटामिन अमीनो एसिड बनाता है। रेड ब्लड सेल्स के उत्पादन में भी योगदान करता है। इसकी कमी हो तो बाल खराब होने लगते हैं। इसके लिए डाइट में दूध, केले, दही, ड्राई फ्रूट्स, अंडे आदि शामिल करें।

विटामिन सी- स्किन और बालों पर विटामिन सी का बहुत असर होता है। विटामिन सी की कमी हो, तो स्किन से चमक चली जाती है और बाल बेजान होने लगते हैं। इसके लिए नींबू, कीवी, संतरा आदि को डाइट में शामिल करें।

विटामिन बी12- शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाए तो बाल झड़ने लगते हैं। इसके लिए दूध व दूध से बने उत्पादों का सेवन करना चाहिए।

विटामिन बी9- इसे बायोटिन के नाम से भी जाना जाता है। विटामिन बी9 की कमी हो तो बाल न केवल झड़ने लगते हैं बल्कि असमय सफेद भी हो जाते हैं। इसके लिए पालक, अंडा, रेड मीट, मछली आदि का सेवन करें।

विटामिन ई - विटामिन ई में प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। इसकी कमी होने से बाल झड़ने, स्कैल्प डैमेज होने की समस्या शुरू हो जाती है। इसकी कमी पूरी करने के लिए बादाम, सूरजमुखी के बीज, मूंगफली आदि का सेवन करना चाहिए।

विटामिन बी7- इस विटामिन मानव शरीर में केराटिन बनाने के लिए अहम घटक माना जाता है। केराटिन बालों की सेहत के लिए अहम होता है। इसके लिए अंडे, बादाम, दूध, शकरकंद आदि का सेवन करें। केराटिन एक प्रोटीन है, जिसकी हमारे बालों, त्वचा, नाखूनों को जरूरत होती है। हालांकि पार्लर में जो केराटिन ट्रीटमेंट करवाया जाता है वो केमिकल युक्त होता है। इसलिए केराटिन को प्राकृतिक तौर पर शरीर में उत्पादन हो तभी इसका फायदा पहुंचता है।

बच्चे के हैं फ्लैट फुट तो रोजाना कराएं ये दो योगासन

पैरों का शेप हो जाएगा चेंज

काफी सारे बच्चों के पैर तलवों से चिपटे हुए होते हैं। जिन्हें फ्लैट फुट कहते हैं। सामान्य तौर पर पैर के तलवों का आकार हल्का सा घुमाव लिए होता है। जिसकी वजह से जब हम जमीन पर पैर रखते हैं तो तलवे का बीच का थोड़ा सा हिस्सा जमीन टच नहीं करता। लेकिन कुछ लोगों के तलवे पूरी तरह से जमीन छूते हैं। इस बनावट के तलवों को फ्लैट फुट कहते हैं। बच्चे के अगर फ्लैट फुट हैं तो उन्हें फ्यूचर में कुछ फिजिकल प्रॉब्लम का सामना कर सकता है। ऐसे में जरूरी है कि बचपन से ही इन फ्लैट फुट को आर्क शेप का बनाने की कोशिश को जाए। ये दो योगासन तलवों में आर्क बनाने में मदद करते हैं। जन्म के समय बच्चों के पैर बिल्कुल सपाट होते हैं जो उम्र के साथ धीरे-धीरे आर्क डेवलप कर लेते हैं। लेकिन कुछ बच्चों में 7-8 साल के बाद भी आर्क डेवलप नहीं होता तो उन्हें फ्लैट फुट की प्रॉब्लम हो सकती है। वहीं उम्र बढ़ने के साथ ही कुछ लोगों के पैर का घुमाव खत्म हो जाता है। जिससे फ्लैट फुट की प्रॉब्लम होने लगती है।

फ्लैट फुट से किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है

जिन बच्चों के सपाट पैर होते हैं तो उन्हें चलने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। बड़े होने के साथ फ्लैट फुट वाले बच्चों को घुटने और कूल्हे में दर्द होने की संभावना ज्यादा रहती है। फ्लैट फुट की वजह से पैरों में दर्द होना काफी कॉमन है। फ्लैट फुट की वजह से कमर में भी दर्द रहने लगता है।

बच्चों को कराएं ये दो योगासन

जिन बच्चों में फ्लैट फुट की समस्या है उन्हें ये दो योगासन का अभ्यास रोजाना कराने से फ्लैट पैरों को सही आर्क मिलने में मदद मिलती है।

वज्रासन :- वज्रासन की क्रिया रोजाना कराने से बच्चों के तलवों में फ्लैक्सिबिलिटी आती है और आर्क बनना शुरू हो जाता है। सबसे पहले घुटने के बल पैरों को मोड़ें और तलवों को बिल्कुल सीधा करके रखने को बोले, जिसमे उंगलियां बाहर की तरफ मुड़ी हो। एड़ी पर हिप टिकाकर बैठें। खेल-खेल में रोजाना इस क्रिया को करने से फ्लैट फुट की समस्या धीरे-धीरे कम होने लगती है।

सुप्त वीरासन :- सुप्त वीरासन की क्रिया में घुटनों के पैर को मोड़े और बैठे। इस दौरान तलवे बिल्कुल पीछे हिप के बगल में हों। साथ ही शरीर को सीधा जमीन पर टिकाएं। इन दो योगासन को करने से सपाट पैरों की समस्या को कम होने में मदद मिलती है।

पालक के साथ भूलकर भी ना खाएं ये चीजें

जब भी हरी सब्जियों का जिक्र होता है पालक का नाम सबसे पहले लिया जाता है। पालक एक हरी पत्तेदार सब्जी है जो सेहत के गुणों से भरपूर है। पालक का वैज्ञानिक नाम स्पिनासिया ओलेरेसिया है। भारत में बड़े पैमाने पर पालक का प्रयोग किया जाता है। पालक को डाइट में कई तरह से शामिल किया जा सकता है। आपको बता दें कि पालक में कैल्शियम, सोडियम, क्लोरीन, फॉस्फोरस, आयरन, प्रोटीन, आयरन, विटामिन ए और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को कई लाभ पहुंचाने में मददगार है। लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि कुछ चीजें ऐसी हैं जिनको पालक के साथ नहीं खाना चाहिए। जी हां आयुर्वेद के अनुसार पालक के साथ इन चीजों को नहीं खाना चाहिए। तो चलिए जानते हैं उन फूड्स के नाम....

पालक के साथ क्या नहीं खाएं-

1. कॉफी चाय- पालक के साथ चाय और कॉफी का सेवन करने से बचना चाहिए। क्योंकि चाय में मौजूद पॉलीफेनॉल और टैनिन्स आयरन के अवशोषण को बाधित कर सकते हैं।

2. खट्टे-फल-खट्टे-फलों को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि इनमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो इम्यूनिटी को बढ़ाने में मददगार हैं। लेकिन पालक के साथ खट्टे-फलों को खाने से बचना चाहिए।

3. मछली- पालक के साथ मछली का सेवन करने से बचना चाहिए नहीं, तो आपको कई समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

4. तिल- तिल के बीजों का सेवन कई तरह से किया जाता है। लेकिन पालक के साथ इनका सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप इनका साथ में सेवन करते हैं तो आपको पाचन संबंधी समस्या परेशान कर सकती है।

बच्चों को कराएं ये दो योगासन

जिन बच्चों में फ्लैट फुट की समस्या है उन्हें ये दो योगासन का अभ्यास रोजाना कराने से फ्लैट पैरों को सही आर्क मिलने में मदद मिलती है।

वज्रासन :- वज्रासन की क्रिया रोजाना कराने से बच्चों के तलवों में फ्लैक्सिबिलिटी आती है और आर्क बनना शुरू हो जाता है। सबसे पहले घुटने के बल पैरों को मोड़ें और तलवों को बिल्कुल सीधा करके रखने को बोले, जिसमे उंगलियां बाहर की तरफ मुड़ी हो। एड़ी पर हिप टिकाकर बैठें। खेल-खेल में रोजाना इस क्रिया को करने से फ्लैट फुट की समस्या धीरे-धीरे कम होने लगती है।

सुप्त वीरासन :- सुप्त वीरासन की क्रिया में घुटनों के पैर को मोड़े और बैठे। इस दौरान तलवे बिल्कुल पीछे हिप के बगल में हों। साथ ही शरीर को सीधा जमीन पर टिकाएं। इन दो योगासन को करने से सपाट पैरों की समस्या को कम होने में मदद मिलती है।

जनजन तक पहुँच रहा लोकतंत्र प्रहरी, नववर्ष पर लगा बधाईयों का तांता

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एण्ड कॉलेज चिखली दुर्ग के संयुक्त वार्षिक कैलेण्डर वर्ष 2026 का वितरण शासकीय दफ्तरों और पुलिस विभाग के थानों पर जाकर किया गया। इस दौरान शासकीय कर्मचारी एवं अधिकारीयों ने बधाई के साथ प्रकाशित कैलेण्डर की प्रशंसा की। दुर्ग भिलाई के नगर निगम और जनप्रतिनिधियों के दफ्तरों में जाकर कैलेण्डर की प्रति सौंपी गई।

हरबंस मिरी, एसडीएम दुर्ग

मुकेश देशमुख, रिसाली निगम

राजू बक्शी, दुर्ग निगम

विधुत विभाग

देवेंद्र यादव विधायक, भिलाई

जामुल थाना

मनीष शर्मा, छावनी प्रभारी

नीरज पाल, महापौर भिलाई

रमेश दुबे एस आई

रिकेस सेन विधायक वैशाली नगर

खगेंद्र पठारे चौकी प्रभारी जेवरा

जुनवानी कोहका कुरूद में 1.84 करोड़ की नाली निर्माण कार्य

वैशाली नगर विधायक रिकेश ने किया पूजन

भिलाई नगर, 31 दिसंबर। वैशाली नगर विधानसभा अंतर्गत जुनवानी से अवंती बाई कोहका , कुरूद तक 1.84 करोड़ की राशि का नाली निर्माण कार्य का वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने बुधवार को कृपाल नगर में भूमिपूजन किया। आपको बता दें कि इस क्षेत्र में पौने 3 किलोमीटर तक नाली निर्माण होना है। जिसकी शुरुआत भूमिपूजन बाद किया गया है। इस दौरान विधायक रिकेश ने कहा कि जुनवानी से कोहका और कुरूद में नाली निर्माण न होने से लोगों का बरसात के दिनों काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था. और पानी जमा होने से सड़कें भी जल्दी खराब हो जाती थीं। इस कार्य के होने से जल जमाव की समस्या से लोगों को निजात मिलेगी। 1 करोड़ 84 लाख की लागत से होने वाले इस निर्माण कार्य में गुणवत्ता और निश्चित मापदंडों के अनुरूप समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश ठेका कंपनी और अधिकारियों को दिए गए हैं।

राज्यपाल के गोद ग्राम टेमरी में विभागीय योजनाओं की समीक्षा

बेमेतरा। जिला बेमेतरा के जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत महामहिम राज्यपाल द्वारा गोद लिए गए ग्राम पंचायत टेमरी में प्रेमलता पदमाकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बेमेतरा द्वारा विभिन्न विभागीय योजनाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), महात्मा गांधी नरेगा, एनआरएलएम सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार जानकारी ली गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोद ग्राम टेमरी में संचालित सभी योजनाओं का शत-प्रतिशत, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि योजनाओं का वास्तविक लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे और ग्राम को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जा सके। समीक्षा के पश्चात ग्राम पंचायत टेमरी एवं नांदघाट में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आवास निर्माण की गुणवत्ता, प्रगति एवं हितग्राहियों को दी जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने हितग्राहियों से संवाद कर उन्हें आवास निर्माण को समय पर पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया।

निरीक्षण के दौरान हितग्राहियों को रेनवाटर हार्वेस्टिंग संरचना निर्माण हेतु प्रेरित किया गया, जिससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। साथ ही सूर्य घर योजना के अंतर्गत सोलर एनर्जी के उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित किया गया, ताकि स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से बिजली व्यय में कमी आए और पर्यावरण संरक्षण को बल मिले। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नवागढ़, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत नवागढ़ सहित सभी संबंधित योजनाओं के जिला एवं जनपद स्तर के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने गोद ग्राम में योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु समन्वित प्रयास करने का संकल्प लिया। यह पहल ग्राम पंचायत टेमरी को समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

विद्यानगर व बसनी में बाबा गुरु घासीदास जी की 269वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप मे हुए शामिल

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना से परिपूर्ण कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत ग्राम खमतराई में आयोजित भव्य कबड्डी प्रतियोगिता एवं मंडई मेला तथा रात्रिकालीन छत्तीसगढ़ी लोककला मंच कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू सम्मिलित हुए द्य इस सांस्कृतिक संध्या में अनुराग धारा स्वर एवं कवयित्री कविता वासनिक तथा हिमानी वासनिक (राजनांदगांव) की मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने ग्राम पंचायत बसनी की सरपंच प्रीति यदु की मांग पर कहा कि ग्राम के विकास से संबंधित मांगों पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य कराए जाने का आश्वासन दिया गया। वही विधायक साहू ग्राम खमतराई मे खेल प्रतिभा एवं सांस्कृतिक चेतना को सराहनीय बताया गया। इसी क्रम में परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की 269वीं जयंती के पावन अवसर पर बेमेतरा नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक02, विद्यानगर एवं ग्राम बसनी में जयंती कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं धूमधाम के साथ संपन्न हुए। विद्यानगर कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने की। साथ मे पार्षद रीता पाण्डेय, गौरव साहू, भाजपा नेता हर्षवर्धन तिवारी, समाजसेवक राजेश शर्मा, गेंदलाल चतुर्वेदी, हरीबांधे, लखन लाल रात्रे, माखन अनंत, संतोष रात्रे, देवनाग बांधे, सूरज लाल, मिथलेश मांडले, महादेव कौशल, संतोष बघेल, विक्की टोंद्रे, प्रकाश अनंत, तारण नवरंगे सहित समस्त सतनामी समाज के पदाधिकारी, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने सतनाम धर्म के प्रतीक जैतखाम एवं बाबा गुरु घासीदास जी के छायाचित्र पर विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। कार्यक्रम मे नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने जय बाबा गुरु घासीदास÷ के जयघोष के साथ अपने उद्बोधन में कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी का संदेश सत्य, अहिंसा और समानता पर आधारित है, जो आज भी समाज को सही दिशा देता है। उन्होंने कहा कि बाबा जी ऐसे महान संत हैं जिनकी जयंती केवल एक दिन नहीं, बल्कि महीनों तक श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। उन्होंने समाज को नशाखोरी जैसी कुरीतियों से दूर रहकर सत्य के मार्ग पर चलने की अपील की। कार्यक्रम में बालक-बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत पंथी नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना भी की गई। विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी के आदर्शों पर चलकर ही एक समरस, न्यायपूर्ण और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ÷सबका साथ सबका विकास÷ के संकल्प के साथ कार्य कर रही है और सतनामी समाज के युवाओं, महिलाओं एवं बच्चों के विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।उन्होंने शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया किअनुसूचित जन जाति के बच्चों को उच्च शिक्षा, विशेषकर पायलट बनने की तैयारी कर रहे बच्चों के लिए सरकार द्वारा 15 15 लाख रुपये तक की सहायता का प्रावधान किया गया है, ताकि समाज के बच्चे आगे बढ़ें और अपने सपनों को साकार कर सकें। कार्यक्रम सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक गरिमा और श्रद्धा के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

'व्हीबी- जी राम जी' अधिनियम के प्रति जागरूकता हेतु हुआ विशेष ग्राम

दल्लीराजहरा। जिले में 'व्हीबी- जी राम जी' अधिनियम के प्रति जागरूकता हेतु 24 एवं 26 दिसंबर को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। 'विकसित भारत- रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण' 'व्हीबी- जी राम जी' के प्रचार-प्रसार एवं योजना के संबंध में जन जागरूकता के लिए जनपद पंचायत डौण्डी के आदिवासी बहुल ग्रामों में 24 दिसम्बर 2025 एवं शेष क्षेत्रों में 26 दिसम्बर 2025 को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। विशेष ग्राम सभा के आयोजन के दौरान 'व्हीबी जी राम जी' अधिनियम के प्रावधानों, बढ़ी हुई रोजगार गारंटी तथा विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा और मार्गदर्शन दिया गया। अधिनियम की प्रमुख विशेषताओं की मुद्रित प्रतियां भी वितरित की गई एवं विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। यह अधिनियम ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार के अधिकार को और मजबूत करता है। इसके अंतर्गत अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के मजदूरी-रोजगार की वैधानिक गारंटी मिलेगी। यदि मांग के बावजूद समय पर कार्य उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो बेरोजगारी भत्ता देना राज्य सरकार की बाध्यता होगी। मजदूरी भुगतान में देरी होने पर प्रत्येक विलंबित दिन का मुआवजा भी दिया जाएगा। कार्य योजनाएं ग्राम सभा के माध्यम से तैयार होंगी, जिससे ग्राम स्तर पर निर्णय और पारदर्शिता बढ़ेगी। जल संरक्षण, ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका संवर्धन तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

रेल मंत्री को विधायक रिकेश ने लिखा पत्र : पावर हाऊस में नौतनवा-गोंदिया बरौनी का स्टॉपेज, नियमित संचालन की रखी मांग

उत्तर प्रदेश बिहार उत्तरांचल के लाखों यात्री को मिलेगी राहत

भिलाई नगर, 31 दिसंबर। दुर्ग गोरखपुर नौतनवा एक्सप्रेस के दुर्ग स्टेशन से समय परिवर्तन, नियमित परिचालन के लिए विधायक रिकेश ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है। विधायक ने गोंदिया बरौनी एक्सप्रेस को सप्ताह 3 दिन वाया मऊ, बेल्थरा रोड, सलेमपुर, भटनी, सिवान, छपरा होते हुए चलाए जाने तथा वापसी में पावर हाऊस स्टेशन पर स्टॉपेज की मांग भी की है।

विधायक सेन ने केंद्रीय रेल मंत्री को लिखा है कि उत्तर प्रदेश, पूर्वांचल तथा बिहार के लाखों लोग छत्तीसगढ़ के भिलाई, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर व अन्य क्षेत्रों में निवासरत हैं। वो अपने गृह ग्राम जाने के लिए नौतनवा व गोंदिया बरौनी एक्सप्रेस का इस्तेमाल करते हैं।

दुर्ग रेलवे स्टेशन से नौतनवा एक्सप्रेस सप्ताह में केवल दो दिन ही चलती है जिसके कारण यात्रियों को निर्धारित समय पर यात्रा करने के लिए टिकट नहीं मिल पाता है। सप्ताह में केवल 2 दिन चलने कारण यात्रियों का अत्यधिक दबाव रहता है और अनेक यात्री समय पर यात्रा करने से वंचित हो जाते हैं। इस समस्या के निराकरण हेतु नौतनवा एक्सप्रेस को नियमित रूप से चलाया जाना अति आवश्यक है।

नौतनवा एक्सप्रेस दुर्ग रेलवे स्टेशन से संध्या 7:40 बजे रवाना होती है जो दूसरे दिन बनारस पहुंचती है, इसके बाद मऊ बेलथरा रोड सलेमपुर भटनी देवरिया होते

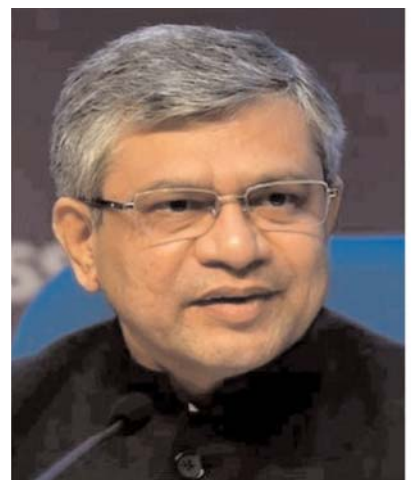

हुए रात्रि गोरखपुर व नौतनवा पहुंचती है। यात्रियों को देर रात स्टेशन में उतरने के कारण अपने निर्धारित स्थान तक जाने के लिए कोई साधन नहीं मिल पाता है। उन्हें रात रेलवे स्टेशन में गुजारना पड़ता है। यदि नौतनवा एक्सप्रेस को दुर्ग स्टेशन से से सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे के बीच चलाया जाए तो यात्री सही समय पर अपने निर्धारित स्थान तक पहुंच जाएंगे।

वर्तमान में दुर्ग से सिवान जाने के लिए कोई भी सीधी रेल सुविधा नहीं है। गोंदिया बरौनी ट्रेन वाया बलिया छपरा प्रतिदिन चल रही है। इसे सप्ताह में कम से कम 3 दिन वाया मऊ बेलधरा रोड, सलेमपुर भटनी, सिवान, छपरा चलाए जाने से सिवान व गोपालगंज जाने वाले यात्रियों को सुविधा होगी। नौतनवा व गोंदिया बरौनी एक्सप्रेस का अप डाउन दोनों में भिलाई पावर हाउस स्टेशन पर स्टॉपेज नहीं है। वापसी के समय अक्सर भिलाई पावर हाउस सुपेला के आसपास चेन पुलिंग होती है क्योंकि अधिकांश यात्री भिलाई पावर हाउस के आसपास निवास करते हैं। यदि वापसी के समय भिलाई पावर हाउस स्टॉपेज दे दिया जाए तो चेन पुलिंग की समस्या समाप्त हो जाएगी। इसी तरह दुर्ग से सारनाथ एक्सप्रेस के प्रतिदिन परिचालन होने के उपरांत भी इस ट्रेन में वर्ष भर यात्रियों का दबाव बना रहता है। नौतनवा एक्सप्रेस को प्रतिदिन सुबह चलाए जाने पर यात्रियों का दबाव कम हो जाएगा।

विधायक रिकेश सेन ने रेल मंत्री का ध्यानाकर्षण कराते हुए लिखा है कि वर्षों से लंबित इस मांग को पूरा करने से छत्तीसगढ़ में भिलाई दुर्ग रेल यात्री सेवा संघ सहित उत्तर प्रदेश-बिहार उत्तरांचल क्षेत्र के लाखों रहवासियों को बड़ी राहत और सुविधा मिलेगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com